सुविचार

लोग कहते हैं कि वे समझते हैं कि मैं क्या कहता हूं और मैं सरल हूं। मैं सरल नहीं हूँ, मैं स्पष्ट हूं।

दैनिक पंचकूला ऑब्जर्वर

सच के साथ, समाज के साथ

वर्ष : 1 | अंक : 55 | पंचकूला। बुधवार, 1 अप्रैल 2026 | www.panchkulaobserver.com | मूल्य : 3 रुपए | RNI No. : HRBIL/25/4317 | पृष्ठ : 4

एक नजर

कोलकाता में श्वष्ट ऑफिस के बाहर भाजपा-ञ्जस्ष्ट कार्यकर्ताओं में झड़प

कोलकाता। पश्चिम बंगाल के कोलकाता में चुनाव आयोग के ऑफिस के बाहर भाजपा और ञ्जस्ष्ट कार्यकर्ताओं के बीच झड़प हो गई। पुलिसकर्मी मौके पर मौजूद हैं। इधर ष्टरूममता बनर्जी ने आरोप लगाया कि बीजेपी बिहार, उत्तर प्रदेश के अवैध वोटरों को बंगाल के वोटर लिस्ट में शामिल करने की कोशिश कर रही है। इधर केरलम के तिरुवनंतपुरम में भाजपा ने अपना मेनिफेस्टो जारी किया। इसमें केरलम में AIIMS बनाने और तिरुवनंतपुरम से कन्नूर तक हाई-स्पीड रेलवे नेटवर्क विकसित करने का वादा किया है। पार्टी ने असम के लिए भी मेनिफेस्टो जारी किया। इसमें लव जिहाद पर एक्शन, घुसपैठियों से कब्जाई जमीन वापस लेने सहित कुल 31 वादे किए गए।

बेंगलुरु में इंजीनियर कपल ने सुसाइड किया

बेंगलुरु। बेंगलुरु के कोथनूर इलाके के अपार्टमेंट में एक इंजीनियर कपल के सुसाइड का मामला सामने आया है। पहले पति का शव फ्लैट के बंद कमरे में मिला। कई बार दरवाजा खटखटाने के बावजूद कोई जवाब नहीं मिला तो पत्नी ने सिक्योरिटी और पड़ोसियों को बुलाया। दरवाजा तोड़ने पर पति का शव फंदे से लटका मिला। इसके कुछ ही मिनट बाद पत्नी फ्लैट से बाहर निकलीं और उसी अपार्टमेंट की 17वीं मंजिल से कूदकर जान दे दी। मृतकों की पहचान तेलंगाना के सिद्दीपेट निवासी भानु चंदर रेड्डी कुंटा (32) और उनकी पत्नी शाजिया (31) के रूप में हुई है। भानु चंदर सॉफ्टवेयर इंजीनियर थे। शाजिया ढ्ढक्चरू में काम करती थीं। रेड्डी ने एक सुसाइड नोट भी छोड़ा है, जिसमें उन्होंने अपनी स्वास्थ्य स्थिति के बारे में बताया। साथ ही लिखा कि उनकी मौत के लिए किसी को जिम्मेदार न ठहराया जाए।

सूरत की बिल्डिंग में आग पांच लोगों की मौत

सूरत। गुजरात के सूरत में एक मकान में मंगलवार दोपहर को आग लगने से 5 लोगों की मौत हो गई। मरने वालों में 4 महिलाएं और एक बच्चा शामिल है। सूचना मिलते ही फायर ब्रिगेड की टीमें मौके पर पहुंची और आग पर काबू पाया। पड़ोसियों से मिली जानकारी के मुताबिक, शहर के लिंबायत इलाके का यह मकान एक व्यापारी का है, जिसमें करीब 8 टन साड़ियों का स्टॉक रखा हुआ था। इससे घर में पैदल चलने तक की जगह नहीं बची थी। इसी के चलते आग इतनी तेजी से भड़की। किसी को बचने का मौका नहीं मिला।

आज से रबी खरीद शुरू, मंडियों में व्यवस्था चाक चौबंद

चंडीगढ़. हरियाणा में रबी खरीद 2026 - 27 की सभी तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। बुधवार 1 अप्रैल से हरियाणा में रबी की सरकारी खरीद का आगाज होना है। हरियाणा के खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता मामले राज्य मंत्री श्री राजेश नागर ने कहा कि रबी खरीद 2026-27 के मद्देनजर प्रदेश की अनाज मंडियों को तैयार कर लिया गया है। मंडी परिसर में साफ सफाई और किसान भाइयों की सुविधा का खास ख्याल रखा जा रहा है। इस बाबत जिला खाद्य एवं आपूर्ति नियंत्रकों और एजेंसी के जिला प्रबंधकों को विशेष तौर से प्रशिक्षण दिया गया है। नागर ने बताया कि मंडियों में बायोमेट्रिक आधारित खरीद होगी, प्रक्रिया को सरल करने के लिये राज्य सरकार द्वारा स्वयं किसान या उनके द्वारा मनोनीत 3 नॉमिनियों में से केवल एक का ही बायोमेट्रिक सत्यापन अनिवार्य है। इस प्रक्रिया के कारण उसे खुद खेत छोड़कर आना नहीं होगा। इसके अलावा सभी मंडी स्थानों की जिओ फेंसिंग की गई है। इस सुविधा के अंतर्गत यह सुनिश्चित किया जाएगा कि सभी गेट पास, नीलामी, जे फंड बनाने और लिफ्टिंग से संबंधित गतिविधियां केवल मंडी परिसर के भीतर की जाएँ। इसके लिए मंडी के जिओ फेंस किये गए क्षेत्र के भीतर उपस्थिति को सत्यापित किया जाता है. जिससे राज्य के किसान की फसल को कोई अन्य व्यक्ति किसान के नाम पर फर्जी तरीके से बेच न सके। किसानों को गेट पास जारी करते समय, वाहन के फोटो के साथ साथ वाहन नंबर देना भी अनिवार्य कर दिया गया है। किसानों को किसी प्रकार की परेशानी न हो इसलिये मण्डी मे फसल लेकर आने वाले वाहनो पर नम्बर प्लेट ना होने पर किसान अपने वाहन पर पेंट या हाथ से एक कागज पर लिख कर भी चिपका कर आ सकता है, उसे भी मान्य किया गया है। साथ ही, निकास गेट पास केवल तभी जारी किया जा सकता है, जब संबंधित वाहन मंडी के जियो-फेंस किए गए क्षेत्र के भीतर मौजूद हो।

भगवान महावीर के संदेश मानवता को सदैव प्रेरित करते रहेंगे : नायब

चंडीगढ. हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने भगवान महावीर जयंती के पावन अवसर पर भगवान महावीर को पुष्प अर्पित करते हुए नमन किया। चंडीगढ़ स्थित संत कबीर कुटीर में आयोजित कार्यक्रम के दौरान मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि भगवान महावीर के उपदेश अहिंसा, सत्य, अपरिग्रह और आत्मसंयम आज भी प्रासंगिक हैं और मानव को सही दिशा में आगे बढ़ने की प्रेरणा देते हैं। उन्होंने कहा कि भगवान महावीर के संदेश समाज में शांति, भाईचारे और सद्भाव को मजबूत करने का कार्य करते हैं। उनके आदर्शों को अपनाकर हम एक बेहतर और समरस समाज का निर्माण कर सकते हैं। प्रदेशवासियों से आह्वान किया कि वे भगवान महावीर के दिखाए मार्ग पर चलकर समाज में प्रेम, सहिष्णुता और नैतिक मूल्यों को बढ़ावा दें।

टोल प्लाजा पर अब नहीं चलेगा कैश, एक अप्रैल से केवल डिजिटल माध्यम से भुगतान होगा मान्य

पंचकूला ऑब्जर्वर

नई दिल्ली. भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआई) ने टोल से जुड़े नियमों में बदलाव किया है और अब एक अप्रैल से टोल प्लाजा पर डिजिटल भुगतान ही मान्य होगा, यानी अब हाइवे यूजर्स कैश में टोल का भुगतान नहीं कर पाएंगे। एनएचएआई का यह कदम पूरे देश में उसके सभी टोल प्लाजा पर लागू होगा। एनएचएआई के मुताबिक, एक अप्रैल से यात्री केवल टोल प्लाजा पर डिजिटल माध्यम जैसे फास्टैग और यूपीआई के माध्यम से भुगतान कर पाएंगे। इस कदम का उद्देश्य राष्ट्रीय राजमार्गों और एक्सप्रेसवे पर टोल वसूली में दक्षता बढ़ाना और पारदर्शिता लाना है। अधिकारियों का मानना है कि पूरी तरह से डिजिटल प्रणाली से वाहनों को टोल प्लाजा से तेजी से गुजरने में मदद मिलेगी, जिससे लंबी कतारें कम होंगी और यात्रा का समय बचेगा। कैश लेन को हटाने से अधिकारियों को उम्मीद है कि यातायात खासकर व्यस्त समय में सुचारू रूप से चलेगा। टोल बूथों पर तेजी से प्रोसेसिंग से ईंधन की खपत और वाहन उत्सर्जन में भी कमी आने की संभावना है, जिससे स्वच्छ पर्यावरण में योगदान मिलेगा। हालांकि, इस बदलाव से कुछ यात्रियों को असुविधा हो सकती है, खासकर उन लोगों को जो डिजिटल भुगतान के लिए तैयार नहीं हैं। वैध फास्टैग या पर्याप्त बैलेंस न होने पर वाहनों पर जुर्माना लग सकता है या उन्हें टोल प्लाजा पर रोका भी जा सकता है। ऐसे मामलों में, यात्रियों के पास टोल बूथों पर उपलब्ध क्यूआर कोड को स्कैन करके यूपीआई के माध्यम से तुरंत भुगतान करने का विकल्प होगा। लेकिन अधिकारियों ने चेतावनी दी है कि नेटवर्क संबंधी समस्याओं के कारण कभी-कभी ये लेनदेन प्रभावित हो सकते हैं, जिससे देरी हो सकती है। बाधाओं से बचने के लिए, यात्रियों को सलाह दी जाती है कि वे अपनी यात्रा शुरू करने से पहले सुनिश्चित करें कि उनका फास्टैग सक्रिय है, उनके बैंक खाते से ठीक से जुड़ा हुआ है और उसमें पर्याप्त शेष राशि है। अपने स्मार्टफोन में बैकअप के रूप में

एक चालू यूपीआई ऐप रखने की सलाह भी दी गई है। यह बदलाव भारत के डिजिटल अवसंरचना की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है, जिससे राजमार्ग यात्रा तेज, सुगम और अधिक कुशल बनेगी।

पिछली सरकारों ने बहुमूल्य पांडुलिपियों की उपेक्षा की थी, हम इन गलतियों को सुधार रहे : मोदी

भगवान महावीर की जयंती पर गांधीनगर के कोबा तीर्थ में स्थित सम्राट संप्रति संग्रहालय का उद्घाटन

पंचकूला ऑब्जर्वर

गांधीनगर. प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मंगलवार को भगवान महावीर की जयंती पर गांधीनगर के कोबा तीर्थ में स्थित सम्राट संप्रति संग्रहालय का उद्घाटन किया। इस दौरान जनसभा को संबोधित करते हुए पीएम मोदी ने कहा कि पिछली सरकारों ने बहुमूल्य पांडुलिपियों के संरक्षण की उपेक्षा की थी।

जनसभा को संबोधित करते हुए कहा, आज भगवान महावीर जयंती के पावन पर्व पर मुझे इस पवित्र जैन तीर्थ आने का सौभाग्य मिला है। सर्वप्रथम मैं भगवान महावीर के चरणों में प्रणाम करता हूं। मैं कोबा तीर्थ से सभी देशवासियों को भगवान महावीर जयंती की शुभकामनाएं देता हूं। मुझे खुशी है कि हजारों वर्ष की भारतीय विरासत, जैन धर्म का समयातीत ज्ञान, हमारी धरोहरें और उनसे मिलने वाली प्रेरणाएं, आने वाली सदियों तक अमर बनाने के लिए नए और आधुनिक रूप में अगली पीढ़ी तक पहुंचाने के लिए हमारे संतों ने इस जैन हेरिटेज म्यूजियम की संकल्पना की। आज यह संकल्पना एक भव्य रूप में साकार हो रही है। यह सम्राट संप्रति संग्रहालय, जैन दर्शन,

भारतीय संस्कृति और हमारी प्राचीन धरोहर का एक पवित्र केंद्र बना है। मैं इस अद्वितीय प्रयास के लिए हमारे सभी जैन संतों का अभिनंदन करता हूं। सम्राट संप्रति संग्रहालय भारत के कोटि-कोटि लोगों की धरोहर है।

पीएम मोदी ने आगे कहा, जहां एक ओर कुछ शासकों ने हिंसा को हथियार बनाकर शासन किया, वहीं सम्राट संप्रति ने सिंहासन पर बैठकर अहिंसा का विस्तार किया। उन्होंने सत्य, अस्तेय और अपरिग्रह का प्रचार-प्रसार किया। इतने निस्वार्थ भाव से शासन को सेवा का माध्यम मानकर जीवन जीना, यह सीख हमें भारत के अतीत से ही मिलती है। ये भारत के गौरवशाली अतीत की धरोहर है। भारत में ज्ञान हमेशा से एक मुक्त प्रवाह रहा है। हर युग में तीर्थंकरों और ऋषियों-मनीषियों का अवतार हुआ। ज्ञान का संकलन बढ़ता चला गया। समय के साथ बहुत कुछ नया जुड़ता गया। प्रधानमंत्री ने कहा, हम पिछली सरकारों की उन गलतियों को सुधार रहे हैं, जिन्होंने बहुमूल्य पांडुलिपियों के संरक्षण की उपेक्षा की थी। इस गलती को सुधारने के लिए हमने ज्ञान भारतम मिशन शुरू किया है, जिसमें आधुनिक तकनीक का व्यापक उपयोग किया जा रहा है। इस पहल के माध्यम से प्राचीन पांडुलिपियों का डिजिटलीकरण किया जा रहा है और वैज्ञानिक विधियों का उपयोग करके उन्हें संरक्षित किया जा रहा है।

इन प्रयासों में उच्च गुणवत्ता वाली स्कैनिंग, रासायनिक उपचार और व्यापक डिजिटल संग्रहों का निर्माण शामिल है, जिनका उद्देश्य हमारी समृद्ध विरासत को भावी पीढ़ियों के लिए सुरक्षित रखना है।

10 संकल्पों को दोहराने का अवसर

पीएम मोदी ने कहा, आज का यह अवसर 10 संकल्पों को दोहराने का है। पहला संकल्प- पानी बचाने का, दूसरा-एक पेड़ मां के नाम, तीसरा- स्वच्छता का मिशन, चौथा -वोकल फॉर लोकल, पांचवां -देश दर्शन, छठा -प्राकृतिक खेती को अपनाना, सातवां -स्वस्थ जीवनशैली को अपनाना, आठवां -योग और खेल को जीवन में लाना, नौवां -गरीबों की सहायता का संकल्प और दसवां-भारत की विरासत का संकल्प,जो आप सभी ने स्वयं से जोड़ लिया है।

इटली और स्पेन नें अमेरिका को दिखाया ठेंगा सैन्य बेस का इस्तेमाल करने पर लगाई रोक

अर्थ प्रकाश नेटवर्क

तेहरान। इटली ने अमेरिका को अपने सिगोनेला मिलिट्री बेस का इस्तेमाल करने से रोक दिया। यह बेस सिसिली आइलैंड पर है। अमेरिकी विमान यहां उतरना चाहते थे, लेकिन इटली ने इजाजत नहीं दी।

रिपोर्ट के मुताबिक, अमेरिका के कुछ बॉम्बर विमान इटली के इस बेस पर उतरकर आगे मिडिल ईस्ट जाना चाहते थे। लेकिन इटली को इस प्लान की पहले से कोई जानकारी नहीं दी गई थी। अमेरिका ने न तो इटली से इजाजत मांगी और न ही उसके सैन्य अधिकारियों से बात की। इससे कुछ दिन पहले स्पेन भी ऐसा ही कदम उठा चुका है। स्पेन ने ईरान जंग में शामिल अमेरिकी विमानों के लिए अपना एयरस्पेस बंद कर दिया था। इसी बीच रूस के विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव ने कहा कि अमेरिका और इजराइल, ईरान और उसके पड़ोसी देशों के बीच अच्छे रिश्ते नहीं बनने देना चाहते। जो रेजीम चेंज की बातें हो रही हैं, उसका असली मकसद तेल-गैस पर कंट्रोल हासिल करना है। यूरोप के कई देशों में महंगाई बढ़ गई है। मार्च महीने में यह बढ़कर 2.5त्न हो गई, जबकि फरवरी में 1.9त्न थी। यह जानकारी यूरोप की संस्था यूरोस्टेट ने दी है। महंगाई बढ़ने की सबसे बड़ी वजह तेल और गैस की कीमतों का बढ़ना है। मध्य पूर्व में चल रहे तनाव के कारण ऊर्जा की कीमतें तेजी से बढ़ी हैं। आंकड़ों के मुताबिक, मार्च में तेल-गैस की कीमतें करीब 4.9त्न बढ़ गईं, जबकि फरवरी में ये कम हुई थीं।

अवैध खनन पर पुलिस की सख्ती, रायपुररानी और अमरावती में छापेमारी, 2 टिप्पर पकड़े

पंचकूला. जिले में अवैध खनन के खिलाफ पंचकूला पुलिस द्वारा लगातार सख्त कार्रवाई की जा रही है। प्राकृतिक संसाधनों की चोरी और पर्यावरण को होने वाले नुकसान को रोकने के लिए पुलिस की टीमें लगातार सक्रिय हैं। इसी अभियान के तहत पुलिस ने अलग-अलग स्थानों पर कार्रवाई करते हुए अवैध

खनन में इस्तेमाल हो रही दो टिप्परों को पकड़ा है। 30 मार्च को रायपुर रानी थाना प्रभारी प्रीतम सिंह के नेतृत्व में पुलिस टीम क्षेत्र में गश्त व चेकिंग कर रही थी। इसी दौरान बटवाल गांव एक टिप्पर को रोककर चेक किया गया जिसमें खनन सामग्री भरी हुई थी। इसके बाद पुलिस ने तुरंत माइनिंग विभाग को सूचना दी। माइनिंग विभाग के अधिकारियों के मौके पर पहुंचने के बाद नियमानुसार कार्रवाई करते हुए टिप्पर को इंपाउंड कर लिया गया।इसी प्रकार एक अन्य मामले में 29/30 मार्च देर रात करीब 2 बजे अमरावती क्षेत्र के बुर्जकोटियां गांव के पास नदी क्षेत्र में एसीपी कालका आशीष कुमार की अगुवाई में टीम ने छापेमारी एक टिप्पर को पकड़ा। पकड़े गए वाहन को अमरावती चौकी में खड़ा कर माइनिंग विभाग द्वारा इंपाउंड करवा दिया गया।इस संबंध में डीसीपी पंचकूला सृष्टि गुप्ता ने स्पष्ट किया कि जिले में अवैध खनन को किसी भी कीमत पर बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। उन्होंने कहा कि पंचकूला पुलिस द्वारा सभी माइनिंग जोन और संवेदनशील क्षेत्रों में चौबीसों घंटे कड़ी निगरानी रखी जा रही है। अवैध गतिविधियों को रोकने के लिए सीसीटीवी कैमरों की मदद, औचक निरीक्षण और रात्रि गश्त के माध्यम से लगातार निगरानी की जा रही है।

एक अप्रैल 2026 से नए कलेक्टर रेट प्रभावी रूप से लागू करने के दिए निर्देश

पंचकूला. हरियाणा सरकार द्वारा वर्ष 2026-27 के लिए जिला पंचकूला की सभी तहसीलों एवं सब-तहसीलों के ड्राफ्ट कलेक्टर रेट पर गठित कमेटी की बैठक आज लघु सचिवालय के सभागार में उपायुक्त श्री सतपाल शर्मा की अध्यक्षता में आयोजित की गई। बैठक में बताया गया कि प्राप्त आपत्तियों और सुझावों पर विचार करने के बाद कलेक्टर रेट को अंतिम रूप दे दिया गया है। उपायुक्त श्री सतपाल शर्मा ने डीआईओ को निर्देश दिए कि नए कलेक्टर रेट्स को जिला प्रशासन की वेबसाइट पर अपलोड किया जाए। उन्होंने सभी तहसीलदारों और नायब तहसीलदारों को यह सुनिश्चित करने के निर्देश दिए कि नए कलेक्टर रेट एक अप्रैल 2026 से प्रभावी रूप से लागू हों और रजिस्ट्रियां इन्हीं रेट्स के अनुसार की जाएं। उन्होंने स्पष्ट कहा कि रजिस्ट्री प्रक्रिया में किसी भी प्रकार की समस्या नहीं आनी चाहिए। बैठक में एसडीएम पंचकूला श्री चंद्रकांत कटारिया, एसडीएम कालका श्री संयम गर्ग, जिला राजस्व अधिकारी डॉ. कुलदीप, तहसीलदार पंचकूला श्री सुरेश कुमार, तहसीलदार कालका श्री विवेक गोयल, नायब तहसीलदार श्री हरदेव सिंह सहित अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

पंचकूला में 2 अप्रैल को श्री हनुमान जन्मोत्सव पर विशाल भजन संध्या, 201 किलो लड्डू का लगेगा भोग

पंचकूला. आने वाली 2 अप्रैल दिन वीरवार को श्री हनुमान जन्मोत्सव पर होगी विशाल भजन संध्या।यह जानकारी आज स्थानीय सेक्टर 16 स्थित अग्रवाल भवन में श्री मेहंदीपुर बालाजी महाराज ट्रस्ट पंचकूला के तत्वाधान में आयोजित पत्रकार वार्ता में दी गई।ट्रस्ट के अध्यक्ष दिनेश बंसल समेत उपस्थित तमाम सदस्यों ने पत्रकारों को जानकारी में बताया कि श्री हनुमान जन्मोत्सव पंचकूला के सेक्टर 20 स्थित अनाज मंडी में भव्य एवं विशाल भजन संध्या का आयोजन किया जाएगा। अध्यक्ष दिनेश बंसल ने बताया कि यह विशाल भजन संध्या को एक शाम श्री मेहंदीपुर बालाजी महाराज के नाम रखा गया है। जोकि सांय 6.30 बजे से शुरू होगी।दिनेश बंसल ने बताया कि इस विशाल भजन संध्या में पहली बार 201 किलो का विशाल लड्डू बालाजी महाराज को भोग के रूप में लगाया जाएगा। साथ ही 56 भोग श्री हनुमान जी महाराज को अर्पित किया जाएगा।टीवी शो की जानी मानी प्रसिद्ध क्वेश्चन मार्क क्रू टीम द्वारा धार्मिक डांस परफॉर्मेंस आयोजित किए जाएगी। हरियाणा के जाने-माने हरियाणवी भजन गायक सुशील ठाकुर हरियाणवी अंदाज में बालाजी महाराज के भजन सुनाएंगे।कार्यक्रम में श्री श्री 1008 तपोनिष्ट स्वरूपानंद ब्रह्मचारी जी का विशेष सान्निध्य प्राप्त होगा। मुख्यातिथि के रूप में प्रसिद्ध समाजसेवी अमित जिंदल, राकेश बिट्टू गर्ग समेत सांसद रेखा शर्मा, विधायक कालका शक्ति रानी शर्मा, मुख्यमंत्री के राजनीतिक सलाहकार तरुण भंडारी, हरियाणा के पूर्व विधानसभा अध्यक्ष ज्ञानचंद गुप्ता, हरियाणा गौ सेवा आयोग के चेयरमैन श्रवण कुमार गर्ग, प्रदेश भाजपा की वरिष्ठ नेत्री बनतो कटारिया, भाजपा जिला अध्यक्ष अजय मित्तल, पूर्व मेयर कुलभूषण गोयल को भजन संध्या हेतु ट्रस्ट की ओर से निमंत्रण पत्र सौंपा गया है।

दर्शन करने की जल्दी में हुई धक्का-मुक्की

बिहार के नालंदा में मंदिर में मची भगदड़, 9 लोगों की मौत

पंचकूला ऑब्जर्वर

बिहार शरीफ. बिहार में नालंदा जिले में मंगलवार सुबह शीतला माता मंदिर में भगदड़ मच गई। हादसे में 9 लोगों की मौत हो गई। 8 महिलाओं की भीड़ में दबने से मौके पर ही मौत हो गई थी, जबकि एक पुरुष ने अस्पताल में दम तोड़ा। चैत्र महीने के आखिरी मंगलवार को बड़ी संख्या में श्रद्धालु इस मंदिर में पहुंचे थे। वहां मेला भी लगा था। मौके पर मौजूद लोगों ने बताया कि भीड़ को संभालने के लिए पर्याप्त इंतजाम नहीं थे।

दर्शन करने की जल्दी में धक्का-मुक्की मच गई। अफरातफरी के बीच कई लोग

भीड़ में दब गए। बड़ी संख्या में लोग घायल भी हुए हैं। हादसे के बाद मंदिर और मेला को बंद करवा दिया है।

आज नालंदा यूनिवर्सिटी के दीक्षांत समारोह में राष्ट्रपति शामिल हुईं। उनकी सुरक्षा में 8 जिलों के 2500 जवानों को लगाया गया था, जबकि मंदिर में जुटी 25 हजार की भीड़ के लिए एक भी पुलिस वाले की तैनाती नहीं थी।

हादसे के बाद पटना कमिश्नर को बिहार शरीफ भेजा गया है। सीएम ने मुख्य सचिव को जांच के निर्देश दिए हैं। दीपनगर थाने के SHO राजमणि को सस्पेंड कर दिया गया है। सरकार ने मृतकों के आश्रितों को 6 लाख रुपए मुआवजा देने की घोषणा की है। वही केंद्र सरकार ने 2 लाख के मुआवजे की घोषणा की है। लोगों का आरोप है कि प्रशासन द्वारा भीड़ नियंत्रण को लेकर कोई उपाय नहीं किया गया था। यहां हर मंगलवार को भीड़ लगती है। इधर, घटना की सूचना मिलने के बाद एसडीपीओ समेत जिले के वरिष्ठ अधिकारी भी मौके पर पहुंच गए हैं और राहत और बचाव प्रारंभ कर दिया।

राजनीतिक साजिश के तहत पिंक कार्ड को लेकर फैलाया जा रहा भ्रम

नई दिल्ली. दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने महिलाओं को लिए जारी पिंक कार्ड को लेकर फैलाई जा रही अफवाहों पर ध्यान नहीं देने की अपील की है। इसके साथ ही इसे एक राजनीतिक साजिश बताया है।

रेखा गुप्ता ने जारी वीडियो संदेश में कहा, दिल्ली की मेरी प्यारी बहनों, कुछ राजनेता राजनीतिक दुष्प्रचार के जरिए यह झूठा दावा फैलाने की कोशिश कर रहे हैं कि दिल्ली की महिलाओं के लिए बना पिंक कार्ड तब काम नहीं करता, जब आप एक बस में सफर करें, उसे एक बार टैप करें, उतरें और दूसरी बस में चढ़ें। यह पूरी तरह गलत और झूठा है। मैं आपको विश्वास दिलाती हूं, आपका पिंक कार्ड बिल्कुल सही काम करता है। रेखा गुप्ता ने कहा, ये अफवाह इसलिए फैलाई जा रही है क्योंकि डीटीसी की बसों में रोजाना 45 लाख लोग यात्रा करते हैं। इसमें से 20 लाख दिल्ली की बहनें यात्रा करती हैं। इसका भुगतान दिल्ली सरकार करती थी। पहले इस भुगतान का कोई हिसाब नहीं रखा जाता था। बेहिसाब बिल बनाकर लूट की जाती थी।

अब, अमेरिका और यूरोप की तरह पंजाब में महज़ 6 मिनट में पुलिस सहायता मिलेगी : मान

- मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने पंजाब पुलिस को 508 इमरजेंसी रिस्पॉन्स वाहन सौंपे
- ये वाहन 28 पुलिस जिलों में तैनात किए जाएंगे; 112 डायल करने पर तुरंत सहायता सुनिश्चित करेंग

पंचकूला ऑब्जर्वर

संगरूर। पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने आज राज्य भर में जमीनी स्तर पर पुलिसिंग को मजबूत करने के लिए संगरूर में 508 इमरजेंसी रिस्पॉन्स वाहन (ईआरवी) को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। उन्होंने कहा कि पंजाब सरकार अब अमेरिका और यूरोप जैसे विकसित देशों की तर्ज पर महज़ छह मिनट में पुलिस सहायता उपलब्ध कराएगी। अत्याधुनिक तकनीक से लैस ये वाहन डायल-112 सेवा के तहत सभी 28 पुलिस जिलों में तैनात किए जाएंगे, जो आपातकालीन परिस्थितियों में तुरंत सहायता सुनिश्चित करेंगे। यह कदम त्वरित और तकनीक-आधारित कानून प्रवर्तन की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है। मुख्यमंत्री ने कहा कि पिछले चार वर्षों के दौरान पुलिस वाहनों के लिए 327.70 करोड़ रुपये का निवेश किया गया है, जिससे न केवल पुलिस बल का आधुनिकीकरण हुआ है बल्कि कानून-व्यवस्था भी मजबूत हुई है। साथ ही नशा तस्करों पर भी सख्त कार्रवाई की गई है।

उन्होंने कहा कि बेहतर सुरक्षा से निवेशकों का विश्वास बढ़ता है, जिसका स्पष्ट उदाहरण टाटा स्टील द्वारा पंजाब में अपने दूसरे सबसे बड़े प्लांट की स्थापना के लिए किया जा रहा निवेश है।

संगरूर में सभा को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा, पंजाब से नशे के खतरे को पूरी तरह खत्म करने के लिए आखिरी बार के रूप में नशे के कारोबार में शामिल लोगों का सामाजिक बहिष्कार करना जरूरी है। उन्होंने कहा कि जिन लोगों ने पीढ़ियों को बर्बाद किया है, उनके साथ किसी भी प्रकार की नरमी नहीं बरती जानी चाहिए। ऐसे तत्वों को सबक सिखाना होगा और उनका सामाजिक बहिष्कार पंजाब को नशे की दलदल से बाहर निकालने में अहम भूमिका निभाएगा। सरकार की सख्त कार्रवाई को रेखांकित करते हुए उन्होंने कहा, पंजाब सरकार ने पहले ही नशे के व्यापार के खिलाफ कड़ा शिकंजा कस दिया है और ऐसे मामलों में सजा दर 87 प्रतिशत तक पहुंच गई है, जो किसी भी अन्य राज्य से कहीं अधिक है। उन्होंने कहा कि नशों के खिलाफ युद्ध पंजाब में नशा नेटवर्क के खिलाफ अब तक की सबसे बड़ी कार्रवाई साबित हो रहा है, जिसके तहत सप्लाई चेन को तोड़कर और बड़े तस्करों को गिरफ्तार कर इस अवैध कारोबार की रीढ़ तोड़ दी गई है। मुख्यमंत्री ने कहा कि इस अभियान को जनसमर्थन के साथ जन आंदोलन में बदलने के लिए व्यापक और बहुआयामी रणनीति तैयार की गई है। उन्होंने कहा कि पिछली सरकारों के विपरीत वर्तमान सरकार ने तस्करों को संरक्षण देने के बजाय उनके खिलाफ सख्त कार्रवाई सुनिश्चित की है। उन्होंने कहा, हमारी लड़ाई पंजाब की युवा पीढ़ी की सुरक्षा के लिए है और यह लगातार जारी रहेगी। 'नशा आतंकवाद' पर बोलते हुए उन्होंने कहा कि पंजाब पुलिस सीमा पार से हो रही नशीले पदार्थों की तस्करी का सक्रिय रूप से मुकाबला कर रही है और दुश्मन ताकतों का डटकर सामना करते हुए नागरिकों की सुरक्षा सुनिश्चित कर रही है।

प्रशासनिक सुधारों का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि पहली बार जमीनी स्तर तक पहुंच सुनिश्चित की गई है, जिसके तहत अब केवल वरिष्ठ अधिकारियों ही नहीं बल्कि थानों के एसएचओ स्तर तक भी वाहन उपलब्ध कराए जा रहे हैं। कानून-व्यवस्था और आर्थिक विश्वास के संबंध पर उन्होंने कहा कि किसी राज्य की कानून-व्यवस्था का सबसे बड़ा पैमाना वहां होने वाला निवेश होता है और टाटा स्टील का पंजाब में निवेश इसका प्रत्यक्ष प्रमाण है। उन्होंने कहा कि पंजाब देश के सबसे सुरक्षित राज्यों में से एक बन रहा है और इसका श्रेय पंजाब पुलिस को जाता है, जिसने जनता और पुलिस के बीच की दूरी को कम किया है।

सड़क सुरक्षा के क्षेत्र में सुधारों पर प्रकाश डालते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि पंजाब सरकार ने हाईवे पर सुरक्षा सुनिश्चित करने और कीमती जानें बचाने के लिए देश की पहली समर्पित सड़क सुरक्षा फोर्स शुरू की है। 1,597 प्रशिक्षित कर्मियों और 144 आधुनिक वाहनों के साथ यह फोर्स 4,200 किलोमीटर दुर्घटना-प्रभावित हाईवे पर तैनात है और इसके कारण सड़क दुर्घटनाओं में होने वाली मौतों में 48 प्रतिशत की कमी आई है। इस पहल की केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने भी सराहना की है। पुलिस के आधुनिकीकरण संबंधी बात करते हुए पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने कहा कि आज इमरजेंसी रिस्पॉन्स वाहन पहल के तहत 508 नई बोलेरो गाड़ियों को हरी झंडी दिखा कर रवाना किया जा रहा है। इससे डायल-112 फ्लीट में कुल वाहनों की संख्या बढ़कर 764 हो गई है। ये सभी वाहन जीपीएस ट्रैकर, डैश कैमरा और मोबाइल डेटा सिस्टम जैसी आधुनिक तकनीकों से लैस हैं। बेहतर कुशलता के बारे में बताते हुए उन्होंने कहा कि डायल-112 पर प्रतिदिन लगभग 15,000 कॉल प्राप्त होती हैं, जिनमें से करीब 1,500 कॉल पर तुरंत वाहन भेजे जाते हैं और प्रतिक्रिया समय को 30-45 मिनट से घटाकर 13-14 मिनट कर दिया गया है। पिछली सरकारों ने पुलिस कल्याण के लिए बहुत कम धन आवंटित किया था, जबकि वर्तमान सरकार ने चार वर्षों में 327.69 करोड़ रुपये निवेश कर 2022 से अब तक 2,904 नए वाहन खरीदे हैं। उन्होंने कहा कि अब हर पुलिस स्टेशन के पास कम से कम एक नया वाहन उपलब्ध है। विशेष इकाइयों को मजबूत करने संबंधी मुख्यमंत्री ने कहा कि एएनटीएफ को 22 महिंद्रा स्कॉर्पियो वाहन दिए गए हैं और महिलाओं की सुरक्षा तथा गतिशीलता के लिए इलेक्ट्रिक स्कूटर भी उपलब्ध कराए गए हैं। उन्होंने आगे ऐलान किया कि वर्ष 2026-27 में और वाहनों की खरीद के लिए 11.45 करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि पंजाब ने अतीत में आतंकवाद का कठिन दौर देखा है, लेकिन पुलिस बल के बलिदानों से राज्य में शांति स्थापित हुई है और आज पंजाब अपनी शांति के लिए जाना जाता है। उन्होंने कहा कि सीमावर्ती राज्य होने के बावजूद पंजाब पुलिस पूरी निष्ठा के साथ अपनी जिम्मेदारी निभा रही है। भविष्य की योजनाओं का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि जल्द ही पुलिस व्यवस्था में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का उपयोग किया जाएगा, जिससे पुलिसिंग को और अधिक प्रभावी बनाया जा सकेगा। किसानों के हितों का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि सरकार कृषि भूमि से गुजरने वाली हाई-टेंशन बिजली लाइनों को भूमिगत करने की संभावनाओं पर विचार कर रही है, जिससे किसानों और उनकी फसलों के लिए जोखिम कम होगा। भर्ती के बारे में उन्होंने कहा कि वर्ष 2022 से अब तक पंजाब पुलिस में 12,197 भर्तियां की जा चुकी हैं और आगे भी भर्ती प्रक्रिया जारी है। मार्च 2026 में 1,746 कांस्टेबल और 3,298 नए पदों के लिए विज्ञापन जारी किया जा चुका है।

पारदर्शी शासन के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दोहराते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि जनता के टैक्स के पैसे का उपयोग पूरी जिम्मेदारी के साथ विकास कार्यों में किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि 90 प्रतिशत घरों को मुफ्त बिजली, 65,000 से अधिक सरकारी नौकरियां बिना भ्रष्टाचार के, बेहतर सड़कें और टोल प्लाजा बंद कर प्रतिदिन 70 लाख रुपये की बचत—ये सब ईमानदार शासन का प्रमाण हैं। उन्होंने कहा कि जहां अन्य राजनीतिक दल केवल सत्ता हासिल करने पर ध्यान देते हैं, वहीं उनकी सरकार शिक्षा, स्वास्थ्य, बिजली और कृषि क्षेत्रों में सुधार पर विशेष ध्यान दे रही है। उन्होंने कहा कि जनता ने अवसरवादी राजनीति को नकार कर एक ऐसी सरकार चुनी है जो उनके हित में काम कर रही है। विपक्षी नेतृत्व पर निशाना साधते हुए पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने कहा कि कुछ नेता जनता को भ्रमित कर सत्ता में वापसी के सपने देख रहे हैं, लेकिन लोग उनके रिकॉर्ड से भली-भांति परिचित हैं। उन्होंने यह भी कहा कि दिवंगत प्रकाश सिंह बादल ने

मुबारकपुर-ढकोली सड़क पर घग्गर नदी का काजवे बना खतरा, टूटी रेलिंग से हादसे की आशंका

डेराबस्सी. क्षेत्र के अंतर्गत आने वाली मुबारकपुर-ढकोली सड़क पर घग्गर नदी के ऊपर बना काजवे इन दिनों हादसों को न्योता देता नजर आ रहा है। काजवे के दोनों ओर लगी सुरक्षा रेलिंग कई स्थानों से पूरी तरह टूट चुकी है, जिससे इस मार्ग से गुजरने वाले वाहन चालकों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। स्थानीय लोगों के अनुसार, यह सड़क क्षेत्र की एक महत्वपूर्ण संपर्क सड़क है, जिस पर दिनभर दोपहिया, चारपहिया और भारी वाहनों की आवाजाही रहती है। लेकिन काजवे की रेलिंग टूटने के कारण यहां सुरक्षा व्यवस्था पूरी तरह से कमजोर हो गई है। खासकर रात के समय या बरसात के मौसम में स्थिति और भी ज्यादा खतरनाक हो जाती है, जब दृश्यता कम होने के कारण चालक संतुलन खो सकते हैं। ग्रामीणों ने बताया कि कई बार इस समस्या को संबंधित विभाग के अधिकारियों के ध्यान में लाया जा चुका है, लेकिन अभी तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं की गई है। टूटी हुई रेलिंग के कारण यदि कोई वाहन अनियंत्रित होकर नदी की ओर चला जाए तो बड़ा हादसा हो सकता है।

स्थानीय निवासियों और राहगीरों ने प्रशासन से मांग की है कि इस काजवे की रेलिंग को जल्द से जल्द दुरुस्त कराया जाए, ताकि किसी अनहोनी से बचा जा सके। लोगों का कहना है कि यदि समय रहते इस समस्या का समाधान नहीं किया गया तो भविष्य में कोई गंभीर दुर्घटना घट सकती है, जिसकी जिम्मेदारी संबंधित विभाग की होगी।

वहीं, क्षेत्र के जागरूक नागरिकों ने भी प्रशासन से अपील की है कि इस मार्ग की नियमित निगरानी की जाए और जहां-जहां रेलिंग क्षतिग्रस्त है, वहां तुरंत मरम्मत कार्य शुरू किया जाए, ताकि आम जनता की सुरक्षा सुनिश्चित की जा सके।

मुख्यमंत्री सेहत योजना के तहत पंजाब हर परिवार को 10 लाख रुपये वार्षिक कैशलेस स्वास्थ्य कवर देने वाला देश का पहला राज्य बना: डॉ. बलबीर

चंडीगढ़. सार्वभौमिक स्वास्थ्य सेवा की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए, पंजाब सरकार देश की पहली सरकार बन गई है जो मुख्यमंत्री सेहत योजना के तहत प्रत्येक परिवार को 10 लाख रुपये तक का वार्षिक कैशलेस स्वास्थ्य कवर प्रदान कर रही है। यह योजना पीएम-जेएवाई के तहत मिलने वाले 5 लाख रुपये कवर को दोगुना करती है और पात्रता को सभी निवासियों तक विस्तारित करती है। एक महत्वपूर्ण उपलब्धि के रूप में, राज्य में अब तक 30 लाख से अधिक सेहत कार्ड पंजीकृत किए जा चुके हैं, जिससे पंजाब की लगभग आधी आबादी को सुनिश्चित स्वास्थ्य सुरक्षा मिल रही है। यह व्यापक पंजीकरण शहरी और ग्रामीण दोनों क्षेत्रों में योजना की मज़बूत स्वीकृति को दर्शाता है, जहां परिवार सक्रिय रूप से इसका लाभ लेने के लिए आगे आ रहे हैं।

इस प्रतिबद्धता को और मज़बूत करते हुए, भगवंत मान सरकार ने पंजाब बजट 2026-27 में इस योजना के लिए 2,000 करोड़ रुपये का प्रावधान किया है, जो स्वास्थ्य सेवा को शासन की प्राथमिकता के रूप में स्थापित करता है। मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान जी के नेतृत्व में हुए इस परिवर्तन को रेखांकित करते हुए, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री डॉ. बलबीर सिंह जी ने कहा, 30 लाख से अधिक सेहत कार्ड पंजीकृत होने के साथ, पंजाब सार्वजनिक स्वास्थ्य सेवा में एक नया मानदंड स्थापित कर रहा है। पंजाब देश का पहला राज्य हैं जो हर परिवार को 10 लाख रुपये तक का सार्वभौमिक, कैशलेस इलाज प्रदान कर रहा है। इससे न केवल आर्थिक बाधाएं कम हो रही हैं, बल्कि हर नागरिक को गरिमा, पहुंच और समय पर इलाज की सुनिश्चितता भी मिल रही है। इस तेज़ विस्तार के पीछे गांवों, मंडियों, स्कूलों, कॉलेजों, अस्पतालों, फैक्ट्रियों और सामुदायिक स्थलों पर आयोजित सेहत शिविरों के माध्यम से व्यापक ज़मीनी स्तर पर अभियान चलाया गया है।

सेवा केंद्रों और कॉमन सर्विस सेंटरों पर निरंतर पंजीकरण के साथ-साथ घर-घर पहुंच बनाकर विभिन्न आय वर्गों और क्षेत्रों तक योजना की पहुंच सुनिश्चित की गई है। जैसे-जैसे योजना का दायरा बढ़ रहा है, इसके उपयोग के आंकड़े वास्तविक प्रभाव को दर्शा रहे हैं। जिन उपचारों का सबसे अधिक लाभ लिया जा रहा है उनमें डायलिसिस, एंजियोप्लास्टी जैसे हृदय संबंधी उपचार, घुटना प्रत्यारोपण जैसी अस्थि सर्जरी, कैंसर उपचार तथा दुर्घटनाओं और पशु काटने जैसी आपात स्थितियों वाली चिकित्सा सेवाएं शामिल हैं। जैसे-जैसे पंजीकरण 65 लाख परिवारों के लक्ष्य की ओर बढ़ रहा है, मुख्यमंत्री सेहत योजना पंजाब की स्वास्थ्य व्यवस्था का एक मज़बूत स्तंभ बनकर उभर रही है और सार्वजनिक स्वास्थ्य कवरेज के स्तर और दायरे दोनों में राष्ट्रीय मानक स्थापित कर रही है।

गैंगस्टरों ते वार का 70वां दिन: पंजाब पुलिस द्वारा 521 स्थानों पर छापेमारी; 214 गिरफ्तार

चंडीगढ़. मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान के निर्देशों के तहत शुरू की गई निर्णायक 'गैंगस्टरों ते वार' मुहिम के 70वें दिन पंजाब पुलिस ने आज पूरे राज्य में गैंगस्टरों के सहयोगियों के पहचाने गए और मैप किए गए 521 ठिकानों पर छापेमारी की। उल्लेखनीय है कि 'गैंगस्टरों ते वार' पंजाब को गैंगस्टर मुक्त राज्य बनाने के लिए एक निर्णायक अभियान है, जिसकी शुरुआत 20 जनवरी 2026 को पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) गौरव यादव द्वारा की गई थी। एंटी-गैंगस्टर टास्क फोर्स (एजीटीएफ) पंजाब के समन्वय से सभी जिलों की पुलिस टीमें राज्यभर में विशेष अभियान चला रही हैं। 70वें दिन पुलिस टीमों ने 214 व्यक्तियों को गिरफ्तार किया, जिससे इस अभियान की शुरुआत से अब तक कुल गिरफ्तारियों की संख्या 18,056 हो गई है। इसके अलावा 70 व्यक्तियों के खिलाफ एहतियाती कार्रवाई की गई, जबकि 126 व्यक्तियों को जांच और पूछताछ के बाद रिहा कर दिया गया। कार्रवाई के दौरान पुलिस टीमों ने 3 फरार अपराधियों को भी गिरफ्तार किया। लोग एंटी-गैंगस्टर हेल्पलाइन 93946-93946 के माध्यम से गुप्त रूप से वांछित अपराधियों और गैंगस्टरों के बारे में जानकारी दे सकते हैं तथा अपराध और आपराधिक गतिविधियों से संबंधित सूचनाएं भी साझा कर सकते हैं। इस दौरान पुलिस टीमों ने नशों के खिलाफ अपनी मुहिम युद्ध नशों विरुद्ध को 395वें दिन भी जारी रखते हुए आज 85 नशा तस्करों को गिरफ्तार किया। उनके कब्जे से 3.2 किलोग्राम हेरोइन, 586 नशीली गोलियां/कैप्सूल और 21,780 रुपये की ड्रग मनी बरामद की गई। इसके साथ ही केवल 395 दिनों में गिरफ्तार किए गए कुल नशा तस्करों की संख्या 56,330 हो गई है।

विधायक कुलजीत सिंह रंधावा ने व्यापारियों की सुनीं समस्याएं

डेराबस्सी। पंजाब सरकार द्वारा व्यापारियों की समस्याओं के समाधान के लिए चलाई गई मुहिम के तहत डेराबस्सी के गांव गुलाबगढ़ में पंजाब स्टेट ट्रेडर्स कमीशन द्वारा व्यापारियों के साथ एक विशेष इंटरैक्शन मीटिंग आयोजित की गई। इस बैठक में हलका विधायक कुलजीत सिंह रंधावा ने मुख्य अतिथि के रूप में शिरकत की।

इस संवाद बैठक की शुरुआत से पहले विधायक रंधावा और उपस्थित व्यापारी वर्ग द्वारा पंजाब के पूर्व वित्त मंत्री स्वर्गीय कैप्टन कंवलजीत सिंह को भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की गई। उनके द्वारा क्षेत्र के विकास के लिए किए गए कार्यों को याद करते हुए दो मिनट का मौन भी रखा गया। इस बैठक के दौरान क्षेत्र के व्यापारियों ने अपने कारोबार में आ रही समस्याओं, टैक्स प्रणाली और बुनियादी ढांचे से जुड़े मुद्दों को विधायक के समक्ष रखा।

विधायक रंधावा ने प्रत्येक व्यापारी की बात को ध्यानपूर्वक सुना। इस मौके पर मौजूद प्रशासनिक अधिकारियों को निर्देश दिए गए कि व्यापारियों के जायज मुद्दों का प्राथमिकता के आधार पर समाधान किया जाए। विधायक ने कहा कि पंजाब सरकार व्यापारियों को सुरक्षित और सुगम व्यापारिक माहौल प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि व्यापारी देश और राज्य की अर्थव्यवस्था की रीढ़ हैं। हमारी सरकार का उद्देश्य व्यापारियों को दफ्तरों की भागदौड़ से मुक्त करना है, ताकि वे निडर होकर अपना काम कर सकें। इस अवसर पर ट्रेडर्स कमीशन के अधिकारी, स्थानीय नेता और बड़ी संख्या में क्षेत्र के उद्योगपति व व्यापारी मौजूद थे।

नंगल झील पर उत्तरी भारत का पहला ग्लास ब्रिज बनेगा: सीएम मान

- मुख्यमंत्री मान ने करोड़ों रुपए के विकास कार्यों के उद्घाटन के साथ नंगल के विकास में तेजी लाई
- 23 करोड़ से कारगिल शहीद कैप्टन अमोल कालिया के नाम पर सेंटर ऑफ एक्सीलेंस बनेगा

पंचकूला ऑब्जर्वर

नंगल. पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने नंगल को आधुनिक बुनियादी ढांचे, कौशल विकास और पर्यटन केंद्र के रूप में विकसित करने के उद्देश्य से 75 करोड़ रुपये की विकास परियोजनाओं की शुरुआत की। इन परियोजनाओं में उत्तरी भारत का पहला ग्लास ब्रिज, कारगिल शहीद कैप्टन अमोल कालिया के नाम पर 23 करोड़ रुपये की लागत से सेंटर ऑफ एक्सीलेंस की स्थापना और शिक्षा क्षेत्र में बड़े स्तर पर बुनियादी ढांचे का विस्तार शामिल है। मुख्यमंत्री ने इन पहलों को लंबे समय से चली आ रही विकास की कमियों को दूर करने की दिशा में एक निर्णायक कदम बताया। उन्होंने कहा कि सरकार का लक्ष्य एक ऐसा प्रशासनिक मॉडल स्थापित करना है, जिसमें युवाओं को उद्योग-उन्मुख कौशल प्रशिक्षण प्रदान किया जाए। इसके तहत रोबोटिक्स, इलेक्ट्रिक वाहन तकनीक, सौर ऊर्जा, ड्रोन प्रशिक्षण और 3डी प्रिंटिंग जैसे आधुनिक क्षेत्रों में कोर्स शुरू किए जाएंगे। साथ ही महिलाओं की तकनीकी शिक्षा तक पहुंच बढ़ाने और कृषि क्षेत्र को मजबूत करने के लिए भाखड़ा नहर के समान जल आपूर्ति सुनिश्चित करने पर भी जोर दिया गया है।

मुख्यमंत्री ने राजनीतिक विरोधियों पर निशाना साधते हुए कहा कि पंजाब में नशे के कारोबार को बढ़ावा देने वालों को कभी माफ नहीं किया जा सकता। उन्होंने आरोप लगाया कि पूर्व सरकारों के दौरान नशे का व्यापार फैला और इससे राज्य के सामाजिक ताने-बाने को नुकसान पहुंचा। उन्होंने कहा कि राज्य के लोग अब ईमानदार शासन, रोजगार, शिक्षा और बुनियादी ढांचे पर केंद्रित नीतियों का समर्थन कर रहे हैं। उन्होंने विपक्षी दलों, खासकर अकाली नेतृत्व की आलोचना करते हुए उन्हें अवसरवादी बताया और कहा कि वे अपने निजी हितों के लिए जनता को गुमराह करते रहे हैं। मुख्यमंत्री ने यह भी कहा कि जनता अब उनके कथनों और वादों से भली-भांति परिचित हो चुकी है और उन्हें दोबारा सत्ता में आने का मौका नहीं देगी। उन्होंने पूर्व सरकारों के दौरान हुई बेअदबी की घटनाओं और कानून-व्यवस्था पर भी सवाल उठाए।

सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं का उल्लेख करते हुए मुख्यमंत्री ने बताया कि मुख्यमंत्री सेहत योजना के तहत राज्य के लगभग 65 लाख परिवारों को स्वास्थ्य कार्ड दिए जा रहे हैं, जिससे उन्हें 10 लाख रुपये तक का मुफ्त इलाज मिल सकेगा। अब तक लाखों लोग इस योजना का लाभ उठा चुके हैं। इसके अलावा बिजली और सिंचाई क्षेत्र में सुधार करते हुए किसानों को धान के मौसम में आठ घंटे से अधिक निर्बाध बिजली उपलब्ध कराई जा रही है और नहरी व्यवस्था को पुनर्जीवित किया गया है।

महिलाओं के सशक्तिकरण के लिए सरकार द्वारा मां-बेटी सम्मान योजना शुरू की जा रही है, जिसके तहत 18 वर्ष से अधिक आयु की महिलाओं को प्रति माह 1000 रुपये और अनुसूचित जाति वर्ग की महिलाओं को 1500 रुपये प्रदान किए जाएंगे। मुख्यमंत्री ने कहा कि यह योजना महिलाओं की आर्थिक स्वतंत्रता और सामाजिक भागीदारी को बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी।

रोजगार के क्षेत्र में सरकार की उपलब्धियों का जिक्र करते हुए उन्होंने बताया कि अब तक 65,000 से अधिक युवाओं को सरकारी नौकरियां दी गई हैं, जो पूरी तरह योग्यता के आधार पर और बिना किसी भ्रष्टाचार के प्रदान की गई हैं। उन्होंने कहा कि यह युवाओं को राज्य के विकास में सक्रिय भागीदारी के लिए प्रेरित कर रहा है।

जल प्रबंधन के क्षेत्र में सुधारों पर प्रकाश डालते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि भाखड़ा नहर की जल आपूर्ति क्षमता को 9,500 क्यूसेक से बढ़ाकर 11,000 क्यूसेक तक पहुंचाया गया है। उन्होंने इसे बिना अतिरिक्त भूमि के एक नई नहर के निर्माण के बराबर बताया। साथ ही, नहरी प्रणाली के सुधार पर हजारों करोड़ रुपये खर्च किए गए हैं, जिससे सैकड़ों गांवों को पहली बार नहरी पानी मिल रहा है।

नंगल में शुरू की गई परियोजनाओं के तहत कैप्टन अमोल कालिया सेंटर ऑफ एक्सीलेंस युवाओं को आधुनिक तकनीकी प्रशिक्षण प्रदान करेगा, जिसमें सिविल एविएशन और एयर होस्टेस प्रशिक्षण जैसे नए कोर्स भी शामिल होंगे।

इसके अलावा, शिवालिक पार्क में झील के ऊपर 10 करोड़ रुपये की लागत से ग्लास ब्रिज का निर्माण किया जाएगा, जो पर्यटन को बढ़ावा देगा।

शिक्षा के क्षेत्र में भी बड़े सुधार किए जा रहे हैं, जिनमें नए अकादमिक ब्लॉक, प्रयोगशालाएं, कक्षाएं और ऑडिटोरियम का निर्माण शामिल है। मुख्यमंत्री ने विश्वास जताया कि ये सभी पहल नंगल को एक आधुनिक और विकसित क्षेत्र के रूप में स्थापित करेंगी और 'रंगला पंजाब' के उनके विजन को साकार करने में सहायक होंगी।

पंजाब सरकार ने आशीर्वाद योजना के तहत 4572 लाभार्थियों के लिए 23.32 करोड़ जारी किए: डॉ. बलजीत कौर

चंडीगढ़. सामाजिक न्याय, अधिकारिता और अल्पसंख्यक मामलों की मंत्री डॉ. बलजीत कौर ने कहा कि मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान के नेतृत्व वाली पंजाब सरकार समाज के कमजोर वर्गों के कल्याण के लिए लगातार प्रयासरत है। इसी कड़ी के तहत आशीर्वाद योजना के अंतर्गत चालू वित्तीय वर्ष 2025-26 के दौरान अनुसूचित जातियों के 4572 लाभार्थियों को 23.32 करोड़ रुपये की वित्तीय सहायता जारी की गई है। उन्होंने कहा कि यह वित्तीय सहायता कम आय वाले परिवारों की बेटियों के विवाह के समय आर्थिक सहारा प्रदान करती है, जिससे परिवारों पर आर्थिक बोझ कम होता है और बेटियों का विवाह सम्मानपूर्वक संपन्न करने में मदद मिलती है। उन्होंने कहा कि इस योजना से जरूरतमंद परिवारों को बेटियों के विवाह के समय बड़ी राहत मिल रही है और सामाजिक सुरक्षा को और मजबूती मिल रही है। डॉ. बलजीत कौर ने आगे जानकारी देते हुए बताया कि आशीर्वाद योजना के तहत जिला बरनाला, बठिंडा, फरीदकोट, फिरोजपुर, श्री फतेहगढ़ साहिब, गुरदासपुर, होशियारपुर, लुधियाना, मानसा, मोगा, पटियाला, पठानकोट, रूपनगर, एस.ए.एस. नगर, एस.बी.एस. नगर, संगरूर, मालेरकोटला और तरनतारन के कुल 4572 लाभार्थियों को इस राशि का लाभ दिया गया है।

सामाजिक न्याय मंत्री ने विस्तृत जानकारी देते हुए बताया कि इस राशि से जिला बरनाला के 125, बठिंडा के 761, फरीदकोट के 87, फिरोजपुर के 266, श्री फतेहगढ़ साहिब के 155, गुरदासपुर के 164, होशियारपुर के 441, लुधियाना के 332 और मानसा के 441 लाभार्थियों को वित्तीय सहायता दी गई है। इसी प्रकार जिला मोगा के 265, पटियाला के 126, पठानकोट के 221, रूपनगर के 293, एस.ए.एस. नगर के 166, एस.बी.एस. नगर के 83, संगरूर के 130, मालेरकोटला के 105 और तरनतारन के 411 लाभार्थियों को भी इस योजना के तहत लाभ प्रदान किया गया है।

डॉ. बलजीत कौर ने कहा कि आशीर्वाद योजना के तहत राज्य सरकार द्वारा कम आय वाले परिवारों की बेटियों के विवाह के लिए 51,000 रुपये की वित्तीय सहायता प्रदान की जाती है। उन्होंने कहा कि इस योजना का लाभ लेने के लिए आवेदक पंजाब राज्य का स्थायी निवासी होना चाहिए और परिवार गरीबी रेखा से नीचे का होना आवश्यक है।

कैबिनेट मंत्री ने आगे कहा कि यह योजना अनुसूचित जातियों, पिछड़े वर्गों और अन्य आर्थिक रूप से कमजोर वर्गों से संबंधित परिवारों के लिए लागू है। उन्होंने कहा कि परिवार की सभी स्रोतों से वार्षिक आय 32,790 रुपये से कम होनी चाहिए और ऐसे परिवारों की अधिकतम दो बेटियों तक इस योजना का लाभ दिया जाता है।उन्होंने आगे बताया कि वित्तीय सहायता का भुगतान डीबीटी के माध्यम से सीधे लाभार्थियों के बैंक खातों में किया जाता है, जिससे प्रक्रिया में पारदर्शिता और सुविधा सुनिश्चित होती है। डॉ. बलजीत कौर ने कहा कि पंजाब सरकार हर वर्ग के लोगों का जीवन स्तर ऊंचा उठाने और उन्हें आर्थिक रूप से मजबूत बनाने के लिए निरंतर कार्य कर रही है। उन्होंने कहा कि अनुसूचित जातियों, पिछड़े वर्गों और आर्थिक रूप से कमजोर वर्गों के कल्याण के लिए जन-केन्द्रित योजनाओं को प्रभावी ढंग से लागू किया जा रहा है, ताकि जरूरतमंद परिवारों को समय पर सहायता मिल सके।

जीवनशैली रोगों के प्रभावी समाधान में आयुर्वेद सबसे टिकाऊ विकल्प: मुख्यमंत्री सैनी

- हरियाणा में आयुष ढांचे का तेजी से विस्तार, हर जिले में पंचकर्म केंद्र स्थापित किए जा रहे हैं
- आयुर्वेद का भविष्य विद्यार्थी तय करेंगे, नवाचार से नई ऊंचाइयों तक ले जाएं

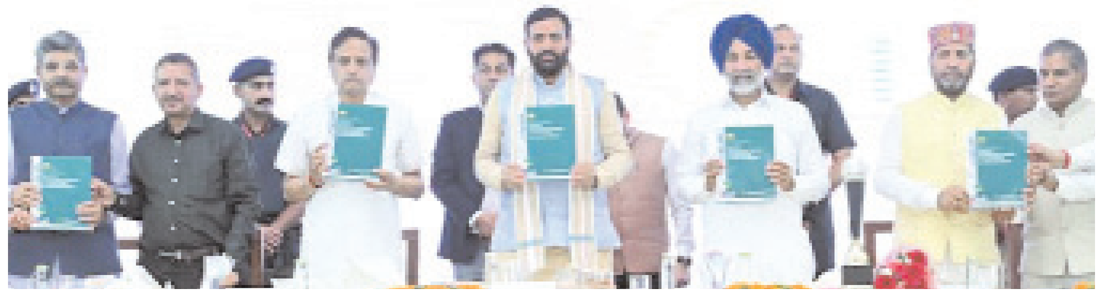

पंचकूला ऑब्जर्वर

चंडीगढ़. हरियाणा के मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी ने चंडीगढ़ में आयोजित श्री धन्वंतरि आयुर्वेदिक कॉलेज एवं अस्पताल के स्वर्ण जयंती समारोह को संबोधित करते हुए कहा कि आधुनिक जीवनशैली से उत्पन्न तनाव, मधुमेह, उच्च रक्तचाप और अन्य जीवनशैली संबंधी रोगों के समाधान में आयुर्वेद एक प्रभावी और टिकाऊ विकल्प प्रदान करता है। आयुर्वेद में शारीरिक स्वास्थ्य के साथ-साथ मानसिक और आध्यात्मिक संतुलन पर भी बल दिया जाता है। मुख्यमंत्री ने इस अवसर पर कॉलेज परिसर में निर्मित नए शैक्षणिक ब्लॉक का लोकार्पण किया। मुख्यमंत्री द्वारा साइंटिफिक जनरल का भी विमोचन किया गया। कार्यक्रम के दौरान संस्था से जुड़े पदाधिकारियों को मुख्यमंत्री द्वारा सम्मानित भी किया गया। उन्होंने बीएएमएस छात्रों के उत्कृष्ट परीक्षा परिणाम पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए विद्यार्थियों को बधाई दी।

मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि हरियाणा सरकार आयुर्वेद को बढ़ावा देने के लिए ठोस कदम उठा रही है। आयुर्वेदिक कॉलेजों और अस्पतालों को आधुनिक सुविधाओं से लैस करने, शोध को प्रोत्साहित करने और चिकित्सकों को बेहतर अवसर प्रदान करने की दिशा में निरंतर कार्य किया जा रहा है। इसी कड़ी में कुरुक्षेत्र में लगभग 500 करोड़ रुपये की लागत से श्री कृष्ण आयुष विश्वविद्यालय की स्थापना की गई है, जिससे यह कॉलेज भी संबद्ध है।

श्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के अंतर्गत जिला स्तर पर आयुष विंग स्थापित किए गए हैं, जहां योग विशेषज्ञों की नियुक्ति की गई है। सभी प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों में आयुष चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराने के लिए 572 आयुष चिकित्सा अधिकारियों की भर्ती की गई है। अब तक 400 आयुष औषधालयों और 138 उप-स्वास्थ्य केंद्रों को आयुष्मान आरोग्य मंदिर (आयुष) में अपग्रेड किया जा चुका है तथा सभी जिलों में पंचकर्म केंद्र स्थापित किए जा रहे हैं।

उन्होंने कहा कि बाबा खेतानाथ राजकीय आयुर्वेदिक कॉलेज एवं अस्पताल, पटीकरा (नारनौल) का निर्माण कार्य पूरा हो चुका है, जबकि नूंह, अंबाला, हिसार और पंचकूला में भी आयुष क्षेत्र के कई महत्वपूर्ण संस्थानों और अस्पतालों की स्थापना एवं निर्माण कार्य जारी है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि आज पूरी दुनिया में योग का डंका बज रहा है और इसका पूरा श्रेय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी को जाता है, जिनके प्रयासों से 21 जून को अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस घोषित किया गया। उन्होंने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों में योग को बढ़ावा देने के लिए प्रदेश के 6500 गांवों में योग एवं व्यायामशालाएं खोलने के लिए सरकार प्रतिबद्ध है। अब तक 965 व्यायामशालाएं शुरू की जा चुकी हैं तथा 139 पर कार्य प्रगति पर है।

मुख्यमंत्री ने विद्यार्थियों से आह्वान करते हुए कहा कि वे आयुर्वेद का भविष्य हैं। उन पर न केवल इस प्राचीन विज्ञान को आगे बढ़ाने की जिम्मेदारी है, बल्कि इसे आधुनिक युग की आवश्यकताओं के अनुरूप ढालने की भी जिम्मेदारी है। मेहनत, समर्पण और नवाचार के साथ वे आयुर्वेद को नई ऊंचाइयों तक ले जा सकते हैं।

इस मौके पर राज्यसभा सांसद सतनाम सिंह संधू, मुख्यमंत्री के मीडिया सचिव श्री प्रवीण अत्रे, श्री धन्वंतरि एजुकेशन सोसायटी, चंडीगढ़ के चेयरमैन श्री कुलभूषण गोयल, श्री धन्वंतरि आयुर्वेदिक कॉलेज एवं अस्पताल के जनरल सेक्रेटरी श्री नरेश मित्तल, प्राध्यापकगण, विद्यार्थीगण तथा अन्य गणमान्य उपस्थित रहे।

एक नजर

भगवान महावीर जी की जयंती

मुलाना. जैन स्थानक मुलाना में संत रत्न सेवा शिरोमणि आलोक मुनि एवं श्रमण गौरव वाणी भूषण अमन मुनि जी के सानिध्य में 24वें तीर्थंकर भगवान महावीर स्वामी जी की जयंती हर्षोल्लास और श्रद्धा भाव से मनाई गई। मंगलवार सुबह इस पावन अवसर पर एसएस जैन सभा मुलाना के तत्वाधान में एक घंटे तक सामुहिक महा मनोकार मंत्र का जाप किया गया । जिसमें जैन समाज के लोगों ने बढचढ़ कर हिस्सा लिया । मौके पर धर्मसभा का भी आयोजन किया गया । जिसमें संत अमन मुनि जी ने भगवान महावीर स्वामी जी के जीवन पर प्रकाश डालते हुए कहा कि महावीर जी कहते हैं जो धर्मात्मा है, जिसके मन में सदा धर्म रहता है, उसे देवता भी नमस्कार करते हैं। भगवान महावीर जी ने अपने प्रवचनों में धर्म, सत्य, अहिंसा, ब्रह्मचर्य और अपरिग्रह, क्षमा पर सबसे अधिक जोर दिया। त्याग और संयम, प्रेम और करुणा, शील और सदाचार ही उनके प्रवचनों का सार था। सभी जन को उनके द्वारा दिखाए मार्ग पर चलकर अपने जीवन का कल्याण करना चाहिए। इस दौरान श्रद्धालुओं ने भगवान महावीर के जयकारे लगाते हुए एकता का संदेश दिया। मौके पर प्रधान अशोक जैन , प्रवक्ता श्रीपाल जैन, उमेश जैन. राममूर्ति जैन,राम कुमार जैन, प्रवीन अग्रवाल, रिषभ जैन, शंटी जैन, सुमित गोयल, केवल कृष्ण, जगमोहन जैन, नीटू जैन, बनारसी दास, विपिन जैन, पंकज गोयल, विवान जैन, पर्व जैन, सहित काफी संख्या में महिला श्रद्धालु मौजूद रही ।

महावीर जी की जयंती किए पुष्प अर्पित

रोहतक. कांग्रेस भवन कांग्रेसियों ने जिला कांग्रेस कमेटी द्वारा जिलाध्यक्ष कुलदीप केडी व जिलाध्यक्ष (ग्रामीण) बलवान रंगा की अध्यक्षता मे जैन धर्म के 24वें तीर्थंकर भगवान महावीर जी की जयंती पर आयोजित कार्यक्रम मे महान तपस्वी, अहिंसा और सत्य के प्रतीक, भगवान महावीर स्वामी जी के चित्र पर पुष्प अर्पित कर नमन किया और कहा भगवान महावीर का जीवन हमें यह सिखाता है कि सच्ची महानता बाहरी वैभव में नहीं, बल्कि आत्मसंयम, त्याग और करुणा में होती है। आइए, इस पावन अवसर पर हम संकल्प लें कि हम उनके आदर्शों को अपने जीवन में उतारेंगे और एक बेहतर, शांतिपूर्ण समाज के निर्माण में अपना योगदान देंगे! इस मौके पर जिला कांग्रेस कमेटी (ग्रामीण) के जिलाध्यक्ष बलवान रंगा जी, जिला कोषाध्यक्ष बलजीत राणा जी, जितेंद्र बाल्मीकि जी, सुमित सिंघल, परमिन्द्र राणा, विक्की आदि मौजूद रहे!

श्री हनुमान जन्मोत्सव पर हवन यज्ञ किया

नरवाना. नरवाना बालाजी मंदिर में श्री हनुमान जन्मोत्सव के अवसर पर मंगलवार को सुबह हवन-यज्ञ का आयोजन किया गया। उसके बाद शाम करीब 5 बजे अखंड ज्योत की सजी हुई पालकी के साथ भव्य शोभायात्रा निकाली गई। शोभायात्रा में भगवान हनुमान के तीन स्वरूप आकर्षण का केंद्र रहे, जिनके साथ श्रद्धालुओं ने नाच-गाकर जन्मोत्सव का उल्लास मनाया। यह शोभायात्रा आर्य उपनगर और पतराम नगर से होते हुए विभिन्न मार्गों से गुजरकर वापस बालाजी मंदिर पहुंची। शोभायात्रा के दौरान भजन-कीर्तन, ढोल-नगाड़ों और जयकारों से पूरा शहर भक्तिमय हो गया। सैकड़ों श्रद्धालु शोभायात्रा में शामिल हुए और जय श्री राम व जय बजरंग बली के उद्घोष से माहौल गूंज उठा। श्रद्धालुओं द्वारा शोभायात्रा का स्वागत किया गया और पुष्प वर्षा की गई। समिति प्रधान सज्जन झील वाले ने बताया कि 1 अप्रैल को सुबह 8ः15 बजे मंदिर परिसर में अखंड रामायण पाठ का आयोजन किया जाएगा। जिसमें श्रद्धालुओं से अपील है कि पाठ में ज्यादा से ज्यादा श्रद्धालु बढ़ चढ़कर भाग ले। वहीं हनुमान जन्मोत्सव को लेकर समिति द्वारा मंदिर परिसर को आकर्षक ढंग से सजाया गया और हनुमान जी को सोने का चोला अर्पित किया गया। कार्यक्रम में शहर के कई गणमान्य व्यक्ति मुख्य अतिथि व दानदाता के रूप में शामिल हुए। समिति द्वारा सभी अतिथियों का स्वागत व सम्मान किया गया। श्रद्धालुओं के लिए प्रसाद व फल वितरण की भी विशेष व्यवस्था की गई। आयोजन समिति के सदस्यों में मुख्य यजमान मनमोहन मित्तल, रोहित गुप्ता शामिल रहे, जयदेव बंसल संरक्षक, भारत भूषण गर्ग, जयदेव बंसल, सज्जन बंसल, , भारत भूषण गर्ग, राजकुमार, भारत अग्रवाल, सतपाल जैन, विजय अग्रवाल, कुलदीप गोयल, सुशील गर्ग, भीम सैनी, विशाल गर्ग, सुदेश गोयल, प्रदीप गोयल, पवन शर्मा , रमेश गर्ग, नन्दन गोयल, नरेश गर्ग व राजेश मौजूद रहे।

स्व. ओपी जिंदल का जीवन हमारे लिए प्रेरणा स्रोत: अक्षरा गुप्ता

कैथल. जिला विकास समन्वय एवं निगरानी समिति की सदस्या भाजपा नेत्री अक्षरा गुप्ता ने परिवार सहित पूर्व सांसद ओमप्रकाश जिंदल को पुष्पांजलि अर्पित की। उनके साथ अनेक गणमान्य व्यक्तियों एवं सामाजिक कार्यकर्ताओं ने भी ओपी जिंदल को श्रद्धांजलि दी। अक्षरा गुप्ता ने कहा कि स्व. ओमप्रकाश जिन्दल का जीवन हमारे लिए प्रेरणा का स्रोत है। उन्होंने प्रत्येक व्यक्ति के उत्थान के लिए कार्य किया और विकास को मजबूती दी। उन्होंने कहा कि स्व. ओमप्रकाश जिन्दल ने किसानों और श्रमिकों के सच्चे मसीहा थे। उनके संघर्ष और दूरदर्शिता के कारण क्षेत्र में विकास को नई दिशा मिली। अक्षरा ने कहा कि स्व. ओमप्रकाश जिन्दल केवल एक नेता नहीं, बल्कि समाज के सच्चे मार्गदर्शक थे। उनके आदर्श आज भी जनप्रतिनिधियों को जनसेवा के लिए प्रेरित करते हैं। उन्होंने कहा कि स्वर्गीय जिंदल क्षेत्र के एक ऐसे महान जननेता थे जिन्होंने किसानों और मजदूर वर्ग के अधिकारों के लिए लंबा संघर्ष किया। उन्होंने अपने जीवन को जनसेवा के लिए समर्पित किया और समाज के कमजोर वर्गों को सशक्त बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। उन्होंने कहा कि वर्तमान पीढ़ी उन्हीं आदर्शों और मूल्यों को आगे बढ़ाते हुए समाज सेवा के कार्यों को निरंतर गति दे रही है। हमें उनके जीवन से प्रेरणा लेनी चाहिए।

शिक्षा से ही बनेगा स्वर्णिम भविष्य: कसाना

कैथल. ढाण्ड के सरपंच जसबीर कसाना ने राजकीय कन्या उच्च विद्यालय ढाण्ड के वार्षिक परीक्षा परिणाम के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में प्रथम, द्वितीय तथा तृतीय स्थान प्राप्त करने वाली छात्राओं को सम्मानित किया। मुख्यातिथि ने कहा कि जीवन में कामयाब होने का एकमात्र तरीक़ा शिक्षा प्राप्ति है जिससे हम अपने जीवन को स्वर्णिम बना सकते हैं और जो सपने हमने देखे हैं उन्हें शिक्षा प्राप्त करके ही पूरा कर सकते हैं। एक लडक़ी पढ़ लिख कर दो परिवारों को समर्थ बना सकती है, इसलिए लड़कियों की शिक्षा आज के समय में बहुत आवश्यक है। कार्यक्रम में मंच संचालन मास्टर रोशन लाल पंवार ने किया। पंवार ने गत वर्ष में विद्यालय की उपलब्धियों की विस्तृत जानकारी दी तथा बताया कि विद्यालय की छात्राओं ने गणित, विज्ञान, लेखन प्रतियोगिता, चित्रकला, क्विज तथा अन्य प्रतियोगी स्पर्धाओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। कक्षा नौंवी ए में करूणा प्रथम, स्नेहा द्वितीय तथा दिशा ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। नौंवीं बी में हिमांशी प्रथम, सोनी कुमारी द्वितीय तथा नैंसी ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। आठवीं में अंजली कुमारी व सोमवती प्रथम, स्वाति, छवि व आंचल द्वितीय तथा पावनी व परिधि ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। सातवीं कक्षा में निधि व खुशी ने प्रथम, हर्षिता व आरूषि ने द्वितीय, प्रिया तथा सोनाक्षी ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। मेहरा बुक डिपो के संचालक तेजबीर मेहरा ने सभी कक्षाओं में प्रथम, द्वितीय तथा तृतीय स्थान प्राप्त करने वाली छात्राओं को कापी तथा पैन देकर पुरस्कृत किया। इस अवसर पर एसएमसी अध्यक्ष जितेंद्र सिंह, ब्लाक समिति सदस्य बलिया राम पठानिया व संजय गर्ग, राजपाल शर्मा, बलबीर सिंह, राजीव कुमार व अन्य थे।

पूर्णाहुति गौ महायज्ञ व भंडारे के साथ श्रीमद गौ भागवत कथा संपन्न

हिसार. मातृभूमि सेवा संघ, गौसेवा गतिविधि एवं काबरेल के केशव माधव धाम ट्रस्ट के संयुक्त तत्वावधान में सरस्वती कॉलेज प्रांगण में चल रहे 108 कुंडीय दशांश महायज्ञ व श्रीमद गौ भागवत कथा पूर्णाहुति गौ महायज्ञ व भंडारे के साथ विधि-विधान से संपन्न हुए। इस आयोजन में विभिन्न क्षेत्रों से काफी संख्या में श्रद्धालुओं ने बढ़-चढ ?र हिस्सा लिया। मातृभूमि सेवा संघ की राष्ट्रीय अध्यक्ष कथा वाचिका विदुषी बेला पारीक के सान्निध्य में पूर्णाहुति गौ महायज्ञ का आयोजन किया गया। पूर्णाहुति गौ महायज्ञ में अजीत महापात्र, पूरन यादव लोहचब, विजय ढल, कमलेश ढल, विकास ढल, डॉ. सोनिया रानी, दीपक ढल, पवन जिंदल, भूपेंद्र कुमार, कमल सर्राफ, रणधीर झाझडि?ा, नीरज कुमार गुप्ता, आदिश जैन व सुरेंद्र लाहौरिया सहित काफी संख्या में गणमान्य लोगों व श्रद्धालुओं ने पूरी आस्था के साथ हिस्सा लिया। सरस्वती कॉलेज ऑफ एजुकेशन के डायरेक्टर व गौ शक्ति जागरण अनुष्ठान संचालन समिति के व्यवस्था प्रमुख विकास ढल ने बताया कि आठ दिवसीय गौ शक्ति जागरण अनुष्ठान में हिसार से ही नहीं बल्कि हरियाणा सहित अन्य राज्यों से भी अतिथियों व श्रद्धालुओं ने पूरी निष्ठा से हिस्सा लिया। उन्होंने बताया कि श्रीमद गौ भागवत कथा के सातवें दिन विधायक सावित्री जिंदल मुख्यातिथि के रूप में मौजूद रही। उन्होंने इस धार्मिक अनुष्ठान की प्रशंसा करते हुए गौमाता को भरपूर सम्मान देने के लिए प्रेरित किया।

इस अवसर पर पूर्व मेयर शकुंतला राजलीवाला, जगदीश जिंदल, प्रवीण जैन, जगमोहन मित्तल, संजय डालमिया, प्रताप मलिक, स्वामी चेतनानंद, डॉ. पवन कुमार, प्रचारक संजय, राजेंद्र फोगाट, कै. हंसराज व नवीन राज उपस्थित रहे। इनके साथ ही विक्की सोनी, एच. के. शर्मा, रविंद्र धवन, सुशील मोर, मोनिका चोपड़ा, ऋषिराज बुड़ाकिया, डॉ. मुकेश कुमार, अजय सिंगला, भंवर सिंह, महावीर सिंह, रामनिवास, डॉ. आर. के. गोयल, डॉ. मनमोहन सहित काफी संख्या में गणमान्य लोग मौजूद रहे। नीरज कुमार गुप्ता ने कुशलतापूर्वक मंच संचालन किया। इस अवसर पर गौमाता के वैज्ञानिक और सांस्कृतिक महत्व को दर्शाती एक अनोखी कथा गोदान फिल्म के पोस्टर का भी लोकार्पण किया गया। गौमाता पर आधारित यह फिल्म रिलीज हो चुकी है और श्रद्धालुओं ने इसे काफी पसंद किया है।

बगैर किसी योजना के खरीद डाले चार हजार वाटर प्यूरिफायर

चंडीगढ़. हरियाणा में महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा गैर योजनाबद्ध तरीके से काम करने को लेकर नया खुलासा हुआ है। यह खुलासा नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक (कैग) की तरफ से अपनी रिपोर्ट में किया गया है। विभाग द्वारा आंगनबाड़ी केंद्रों में पानी और बिजली की व्यवस्था सुनिश्चित किए बिना ही 4,000 इलेक्ट्रिक अल्ट्रावायलेट वाटर प्यूरिफायर खरीद लिए गए। नतीजा यह हुआ कि 2,511 मशीनें आज तक इंस्टॉल ही नहीं हो सकीं और करीब 1.22 करोड़ रुपये का खर्च पूरी तरह बेकार चला गया।

सरकार ने 2020-21 के बजट में आंगनबाड़ी केंद्रों को अपग्रेड कर 4,000 प्ले स्कूल बनाने की योजना बनाई थी। इसके तहत महिला एवं बाल विकास विभाग ने 2021-22 और 2022-23 में बड़ी संख्या में सामान खरीदा। इसमें वाटर प्यूरीफायर भी शामिल थे, ताकि बच्चों को साफ पीने का पानी मिल सके। लेकिन यहीं सबसे बड़ी चूक हो गई। उन प्ले स्कूलों के लिए भी वाटर प्यूरिफायर खरीद गए, जहां पानी की टंकी ही नहीं थी। जहां बिजली का कनेक्शन ही नहीं था, लेकिन वहां भी मशीनें भेज दी गईं।

लेखापरीक्षा के मुताबिक, अक्टूबर 2021 में 4,000 वाटर प्यूरीफायर खरीदने का ऑर्डर दिया गया। जनवरी 2022 तक इनकी सप्लाई भी हो गई। मार्च 2023 तक इन पर 1.95 करोड़ रुपये का भुगतान कर दिया गया। इसमें से सिर्फ 1,489 मशीनें ही चालू हो सकी। 2511 मशीनें आज तक इंस्टॉल नहीं हो पाईं। कई केंद्रों में पानी की टंकी नहीं थी। जहां टंकी थी, वहां बिजली कनेक्शन नहीं था। बिजली कनेक्शन था तो फिटिंग की व्यवस्था नहीं थी। यानी मशीनें थी, लेकिन उन्हें चलाने की बुनियादी व्यवस्था ही नहीं थी। कैग ने साफ कहा है कि जिन 2,511 मशीनों को इंस्टॉल ही नहीं किया जा सका, उन पर हुआ करीब 1.22 करोड़ रुपये का खर्च व्यर्थ रहा।

जब मामला सामने आया, तब विभाग ने खुद माना कि 559 प्ले स्कूलों में पानी की टंकियां ही नहीं थीं। 465 प्ले स्कूलों में बिजली कनेक्शन नहीं था। इसके अलावा, कई जगह पानी के कनेक्शन और फिटिंग जैसी अन्य जरूरी सुविधाएं भी नहीं थीं। यानी, जिस आधार पर योजना बनी थी, वही अधूरा था।

एआई के जरिए स्टार्टअप, कंटेंट और डेटा एनालिसिस को नई दिशा : जपकीरत

यमुनानगर. डीएवी गर्ल्स कॉलेज के इंस्टीट्यूशन इनोवेशन काउंसिल व कंप्यूटर विभाग द्वारा स्टार्टअप, कंटेंट व डेटा में एआई का उपयोग विषय पर एक्सटेंशन लेक्चर का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में कनाडा के ब्रिटिश कोलंबिया (बर्नाबी) स्थित माइक्रोसर्व कंपनी के डिप्लॉयमेंट टेक्नीशियन एवं बीसीएलएसी कंपनी के क्लाउड इंजीनियर जपकीरत सिंह मुख्य वक्ता के रूप में उपस्थित रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता कॉलेज की कार्यवाहक प्रिंसिपल डॉ. सुरिंद्र कौर तथा आईआईसी कन्वीनर विवेक ने की। जबकि मनिका सेठी कार्यक्रम की कनवीनर रहीं। सुषमा शर्मा व ममता थापर, प्रोग्राम को-ओडिनेटर रहीं। जपकीरत सिंह ने अपने संबोधन में छात्राओं को आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के आधुनिक और व्यावहारिक उपयोगों से अवगत कराया। उन्होंने बताया कि आज के डिजिटल युग में एआई स्टार्टअप्स के लिए एक मजबूत आधार बन चुका है, जो कम समय में अधिक प्रभावी परिणाम देने में सक्षम है। उन्होंने यह भी समझाया कि एआई टूल्स की मदद से आकर्षक डिजिटल कंटेंट तैयार किया जा सकता है और बड़े डेटा का विश्लेषण कर सटीक निर्णय लिए जा सकते हैं। सत्र के दौरान उन्होंने इनविडियो प्लेटफॉर्म के माध्यम से प्रभावी प्रॉम्प्ट लिखने की तकनीकें साझा कीं। साथ ही नोटबुक एलएम और फिग्मा जैसे आधुनिक टूल्स के उपयोग को व्यावहारिक उदाहरणों के साथ समझाया, जिससे छात्राओं को नई तकनीकों को समझने में आसानी हुई। कार्यक्रम में छात्राओं ने सक्रिय भागीदारी दिखाई और एआई से जुड़े विभिन्न सवाल पूछे। जपकीरत सिंह ने उनके प्रश्नों का सरल, स्पष्ट और व्यावहारिक तरीके से समाधान किया, जिससे छात्राओं का ज्ञानवर्धन हुआ। कार्यक्रम के सफल आयोजन में ममता थापर, हर्ष शर्मा, नीतू त्यागी, लीना, अनुपम, सोनल,रिया ने सहयोग दिया।

पंचकूला में भगवान महावीर स्वामी जी का 2625वां जन्म कल्याणक महोत्सव संपन्न

पंचकूला। जैन समाज द्वारा भगवान महावीर स्वामी जी का 2625वां जन्म कल्याणक महोत्सव मंगलवार को श्रद्धा, भक्ति और उत्साह के साथ मनाया गया। कार्यक्रम का आयोजन सेक्टर-17 स्थित जैन स्थानक (गौरी शंकर मंदिर के निकट) में किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने भाग लिया। महोत्सव की शुरुआत प्रातः 8ः30 बजे धार्मिक विधि-विधान के साथ हुई। इस अवसर पर संत महात्माओं के सान्निध्य में प्रवचन आयोजित किए गए, जिनमें अहिंसा, सत्य और करुणा के संदेश को जीवन में अपनाने का आह्वान किया गया। कार्यक्रम में महासाध्वी सुचर्चा जी महाराज सा. के पावन सान्निध्य में श्रद्धालुओं ने धर्म लाभ लिया। साथ ही प्रवचन में महासाध्वी सुनीति जी महाराज सा. ने अपने विचार व्यक्त करते हुए भगवान महावीर के सिद्धांतों पर चलने की प्रेरणा दी। महासाध्वी सुव्रति जी महाराज सा. ने भी अपने प्रवचनों के माध्यम से उपस्थित जनसमूह को धर्म मार्ग पर चलने के लिए प्रेरित किया। श्रद्धालुओं ने भक्ति भाव से पूजा-अर्चना की तथा गौतम प्रसादी ग्रहण कर कार्यक्रम को सफल बनाया। आयोजन के दौरान पूरे स्थानक में भक्तिमय वातावरण बना रहा। आयोजन के अंत में आयोजकों ने सभी श्रद्धालुओं का आभार व्यक्त किया और कहा कि इस प्रकार के धार्मिक आयोजनों से समाज में नैतिक मूल्यों का प्रसार होता है। इस अवसर पर संरक्षक जयपाल जैन, संरक्षक नेम कुमार ओसवाल, १

द्ब्रधान एसएन जैन, महासचिव नंदीवर्धन जैन एवं कोषाध्यक्ष शुभम जैन भी उपस्थित रहे।

श्री हनुमान मंदिर रामपुरा द्वारा निकाली गई प्रभात फेरी

यमुनानगर. श्री हनुमान मंदिर रामपुरा कॉलोनी में 2 अप्रैल को भगवान हनुमान जी का जन्मोत्सव बड़ी धूमधाम के साथ मनाया जाएगा। समागम का निमंत्रण आम जनमानस को देने को लेकर मंदिर द्वारा आजकल प्रभात फेरियो का आयोजन किया जा रहा है। प्रभात फेरी में दिन प्रतिदिन श्रद्धालुओं की संख्या बढ़ रही है। मंदिर द्वारा आज सुबह निकाली गई प्रभात फेरी का शुभारंभ मंदिर आचार्य शारदा मिश्रा द्वारा पूजा अर्चना कर करवाया गया। यहां से प्रभात फेरी आरंभ होकर विभिन्न इलाकों में गई। इस दौरान लोगों को मंदिर में हनुमानजी के जन्मोत्सव पर होने वाले कार्यक्रम का निमंत्रण भी दिया गया।

हकृवि को क्यूएस विश्वविश्वविद्यालय रैंकिंग-2026 में 301-350 रैंकिंग मिलना स्वागत योग्य : डॉ. गोदारा

हिसार। हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय शिक्षक संघ (हौटा) ने हकृवि को क्यूएस विश्वविश्वविद्यालय रैंकिंग-2026 में 301-350 रैंकिंग मिलने पर प्रसन्नता जताई है। हौटा का कहना है कि यह उपलब्धि कुलपति प्रो. बीआर कम्बोज के नेतृत्व में विश्वविद्यालय के शिक्षकों के शोध तथा गैर शिक्षकों की मेहनत का परिणाम है। हौटा अध्यक्ष डॉ. अशोक गोदारा ने कहा है कि हिसार के हरियणा कृषि विश्वविद्यालय ने क्यूएस विश्वविश्वविद्यालय रैंकिंग-2026 में 301-350 रैंकिंग प्राप्त की है, जो स्वागत योग्य है। इस उपलब्धि के तहत हकृवि ने कृषि विश्वविद्यालयों में देशभर में दूसरा स्थान प्राप्त करते हुए परचम लहराया है।

मंडियों में ना बारदाना, ना तिरपाल, ना लेबर, ना सुविधाएं, अबतक ट्रांसपोर्ट का भी नहीं हुआ टेंडर

बायोमेट्रिक, गारंटर जैसे नियम लागू करके अनाज मंडी को जेल बना रही है बीजेपी : हुड्डा

पंचकूला ऑब्जर्वर

चंडीगढ़. पूर्व मुख्यमंत्री और नेता प्रतिपक्ष भूपेंद्र सिंह हुड्डा ने कहा है कि बीजेपी अनाज मंडी को जेल बनाने की प्लानिंग कर रही है। ऐसी जेल जहां लाकर किसानों को सजा दी जाए। क्योंकि जैसा कि बीजेपी की रीति-नीति बन गई है कि वो हर बार किसानों को परेशान करने का नया तरीका ढूंढ़ लाती है, इसबार भी उसने ऐसा किया है। इसबार गेहूं खरीद के लिए नया नियम बनाया गया है कि ट्रैक्टर की नंबर-प्लेट की फोटो समेत किसानों का बायोमेट्रिक वेरिफिकेशन भी होगा। इतना ही नहीं, किसान को वैरिफाई करने के लिए 3-3 गारंटर भी चाहिए होंगे। मानो ये अनाज मंडी नहीं बल्कि कोई हाई सिक्युरिटी जोन या जेल हो और किसान से अपराधियों सा व्यवहार हो रहा है। हुड्डा ने कहा कि जल्द से जल्द और गेहूं की पूरी खरीद सुनिश्चित करने की बजाए, सरकार हमेशा खरीद में अड़ंगा लगाने की तरकीब निकालती रहती है। किसानों के लिए बायोमेट्रिक और गेट पर ही गेट पास काटने का नियम ऐसा है, जो प्रैक्टिकल रूप से लागू करना असंभव है। क्योंकि जमींदार एक मेहनतकश वर्ग है, जिस वजह से बहुत से किसानों की उंगलियों के निशान तक घिस जाते हैं। कई बार बैंकों तक में उनकी उंगलियों के निशान मैच नहीं होते या फिर मैच करने में उनका समय लगता है।

ऐसे में अगर यही काम मंडी के गेट पर होगा तो ट्रैक्टरों की लंबी लाइन लग जाएगी, जो जाम का कारण बनेगी। ज्यादातर जमीदार किराए के ट्रैक्टर लेकर मंडी आते हैं। अगर जाम की वजह से या वैरिफिकेशन में देरी की वजह से खरीद में देरी हुई तो ट्रैक्टर का किराया कौन देगा? जाहिर तौर पर ये बोझ किसान पर पड़ेगा और पहले से कर्ज में डूबे किसान को और आर्थिक नुकसान होगा।हुड्डा ने कहा कि सरकार के इस बेवजह अड़चनों की पोल भी खुल चुकी है। क्योंकि मंडियों में सरकारी खरीद पहले ही दिन ठप हो गई। कारण ये कि सरकार द्वारा लागू किए गए नए नियम और ई-खरीद पोर्टल दोनों फेल हो गए। मंडियों में किसान अपनी फसल लेकर पहुंचे, लेकिन ई-पोर्टल अपडेट न होने के कारण गेट पास तक जारी नहीं हो सके। नए नियमों के तहत किसानों को गेट पास के लिए बायोमेट्रिक सत्यापन, ट्रैक्टर नंबर और फसल की फोटो अपलोड करनी थी, लेकिन पहले ही दिन सिस्टम ठप हो गया। नतीजा यह रहा कि किसान मंडियों में घंटों इंतजार करते रहे, लेकिन उनकी फसल की खरीद नहीं हो सकी। आढ़ती एसोसिएशन ने भी बताया है कि एक गेट पास बनाने में 10 से 15 मिनट का समय लग रहा है, जिससे एक दिन में सीमित संख्या में ही किसानों की प्रक्रिया पूरी हो सकती है। इससे आने वाले दिनों में और बड़ी अव्यवस्था की आशंका है। इतना ही नहीं, भूपेंद्र सिंह हुड्डा ने मंडियों की व्यवस्था की ओर भी सरकार का ध्यान दिलाया। उन्होंने बताया कि वो लगातार किसानों से बात कर रहे हैं। मंडियों में आज ना बारदाना है, ना तिरपाल. ना लेबर, ना किसानों के लिये कोई सहूलियत और ऐसे में जो फसल आएगी वो मंडियों में ही पड़ी रहेगी और उसका उठान नहीं होगा। और जबतक उठान नहीं होगा, तबतक किसानों की पेमेंट नहीं होगी।

कुल मिलाकर ये सरकार ऐसे हालात पैदा कर रही है कि किसान मंडी आना ही छोड़ दें। मंडी क्या, ये सरकार तो चाहती है कि किसान खेती ही छोड़ और इस सेक्टर को भी पूरी तरह पूंजीपतियों के हाथों में सौंप दे।

गर्मियों में करेले का सेवन फायदेमंद, डायबिटीज-पाचन की समस्याओं से दिलाएगा राहत

गर्मी का मौसम शुरू होते ही पाचन संबंधी समस्याएं, ब्लड शुगर बढ़ना, थकान और कमजोरी आम हो जाती है। ऐसे में हेल्थ एक्सपर्ट के अनुसार गर्मी के मौसम में करेले का सेवन सेहत के लिए बेहद फायदेमंद होता है। औषधीय गुणों से भरपूर करेला शरीर की कई बीमारियों से बचाव करता है। भारत सरकार के आयुष मंत्रालय के अनुसार, करेला विटामिन ए, विटामिन बी, विटामिन सी, बीटा कैरोटीन, आयरन, जिंक, पोटैशियम, मैग्नीशियम और मैंगनीज जैसे महत्वपूर्ण पोषक तत्वों से भरपूर होता है। गर्मियों में यह पेट को ठंडक देता है, पाचन क्रिया सुधारता है और शरीर की उष्णता को कम करता है। गर्मियों में करेले के सेवन से कई लाभ मिलते हैं। करेला ब्लड शुगर को नियंत्रित रखने में बहुत प्रभावी है। गर्मी में जब ब्लड शुगर बढ़ने की संभावना ज्यादा होती है, तब करेले का जूस या सब्जी नियमित रूप से लेने से शुगर लेवल बैलेंस रहता है। साथ ही गर्मी में अपच, गैस, कब्ज और पेट दर्द की समस्या आम है। ऐसे में करेला पेट साफ रखता है और पाचन शक्ति

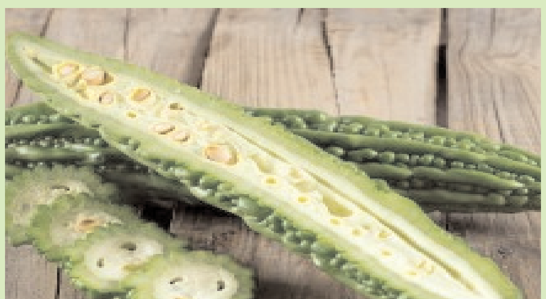

बढ़ाता है। करेले का जूस पेट दर्द में तुरंत राहत देता है। करेला प्राकृतिक रूप से ठंडा होता है। यह शरीर की अतिरिक्त गर्मी निकालता है और डिहाइड्रेशन से बचाता है। इसमें मौजूद विटामिन सी और एंटीऑक्सीडेंट गर्मियों में कमजोर पड़ रहे इम्यून सिस्टम को मजबूत रखते हैं। साथ ही करेला खून को शुद्ध करता है और मेटाबॉलिज्म तेज करके वजन नियंत्रित रखने में मदद करता है।

करेला न सिर्फ गर्मी की समस्याओं से बचाता है बल्कि लंबे समय तक स्वस्थ रहने में भी मदद करता है। गर्मियों में करेले का जूस सुबह खाली पेट पीना सबसे अच्छा है। साथ ही करेले की सब्जी या सुखाकर भुना करेला भी लिया जा सकता है। जिन लोगों को किसी तरह की एलर्जी है, उन्हें डॉक्टर की सलाह से इसका सेवन करना चाहिए।

सीरीज 'द रिवोल्यूशनरीज' का हिस्सा होंगे प्रतिभा रांटा और रोहित सराफ?

अभिनेता रोहित सराफ इन दिनों अभिनेत्री प्रतिभा रांटा के साथ रिश्ते को लेकर चर्चा में हैं। फिल्मफेयर के मुताबिक दोनों की आपस में अच्छी बनती है और वह अच्छे दोस्त हैं। दोनों को एक दूसरे का साथ पसंद आ रहा है। वे एक दूसरे के साथ अक्सर अच्छा वक्त बिताते हैं। उनके बीच अच्छा रिश्ता होने के बावजूद वह अपने रिश्ते को कोई नाम नहीं दे रहे हैं।
कई जगहों पर एक साथ स्पॉट होने की वजह से दोनों चर्चा का विषय बने हुए हैं। दिलचस्प है कि न तो प्रतिभा रांटा और न ही रोहित सराफ ने अब तक अपने रिश्ते के बारे में खुलकर बात की है।

इस सीरीज का होंगे हिस्सा

इस बीच खबर आ रही है कि रोहित और प्रतिभा सीरीज 'द रिवोल्यूशनरीज' का हिस्सा होंगे। इसके निर्देशक निखिल आडवाणी हैं। इसकी कहानी एक किताब पर आधारित है। इन दोनों कलाकारों के अलावा इसमें भुवन बाम, गुरफतेह पीरजादा और जेसन शाह होंगे। यह सीरीज इसी साल अमेजन प्राइम वीडियो पर रिलीज होने वाली है।

प्रतिभा रांटा का वर्कफ्रंट

प्रतिभा रांटा बॉलीवुड फिल्म 'लापता लेडीज' (2024) में नजर आ चुकी हैं। वह 'एक्यूज्ड' (2026) का भी हिस्सा रह चुकी हैं।

रोहित सराफ का वर्कफ्रंट

रोहित सराफ 'सनी संस्कारी की तुलसी कुमारी' (2025) और 'टग लाइफ' (2025) का हिस्सा रहे हैं।

जिंदगी को भी 'गेम' जैसे खेलती हूं

'सेक्रेड गेम्स' की कुकू हो या 'द ट्रायल' की सना शेख, एक्ट्रेस कुब्रा सैत को जब भी दमदार किरदार मिले, उन्होंने उसे निचोड़ने में कोई कसर नहीं छोड़ी। इन स्ट्रॉन्ग, कॉम्प्लेक्स लड़कियों में उन्होंने बिंदासियत और संवेदनशीलता का मिला-जुला रंग भरकर यादगार बना दिया। अब अपनी नई सीरीज 'संकल्प' में भी वह डीएसपी परवीन शेख की सशक्त भूमिका में हैं।

कुब्रा का कहना है, 'मैं खुशनसीब हूं कि मुझे ये किरदार निभाने को मिले। उनमें जो कॉम्प्लेक्सिटी है, उसे निभाना सौभाग्य की बात है। मैं इनसे सीख पाती हूं कि सिर्फ ताकतवर होना ही मजबूती नहीं है। असुरक्षित, टूटा होकर खड़ा होना भी ताकत है। मुझे लगता है कि ये जितने भी किरदार मैंने निभाए हैं, उनमें कुछ न कुछ मेरा होगा क्योंकि ये सारे रंग हम सबमें हैं। वो चाहे बिंदासियत हो, ताकत या असुरक्षित महसूस करना, इन किरदारों के जरिए मुझे अपने बारे में भी बहुत कुछ सीखने को मिलता है। अच्छी बात ये है कि ऑडियंस इनसे रिलेट कर पा रही है, पसंद कर रही है तो हम कुछ तो सही कर रहे है। यही चीज मुझे प्रेरित करती है।'

कुब्रा की पहली ही फिल्म रेडी सलमान खान जैसे सुपरस्टार के साथ थी। उनके साथ काम करते वक्त कोई डर या इंटीमिडेशन था, यह पूछने पर वह कहती हैं, 'नहीं यार, मैं बहुत कॉन्फिडेंट थी तो मैं सबके साथ बैठकर बातें करती थी। मुझे सबके बारे में जानना था। मैं सलमान खान सर के साथ भी बैठती थी। उनसे पूछती थी कि ये कैसे हुआ, वो कैसे हुआ, तो वे भी बातें करते थे। मुझे कभी ऐसा नहीं लगा कि नई हूं तो कोने में बैठना जरूरी है।

टैलंट के बावजूद 15 साल लंबे करियर में कुब्रा मेन लीड में ना के बराबर ही दिखी हैं। क्या इस बात का कभी मलाल होता है? इस सवाल पर उन्होंने कहा, 'नहीं यार, ये सब सोचूंगी तो जो काम हो रहा है वो भी बंद हो जाएगा। मुझे बहुत कुछ क्रिएट करना है। अपना बहुत कुछ करना है। मैं इन बातों में फंसी तो आगे बढ़ना मुश्किल हो जाएगा। इससे बेहतर जो काम है या जो काम मैं करना चाहती हूं, उस पर फोकस करूं। बाकी तो बहुत कुछ हो सकता था, पर मैं आज यहां पर हूं और अपने काम में मुझे मजा आ रहा है, इससे बड़ी बात और क्या होगी। हां, कभी कभी लगता है। जैसे, कोविड के वक्त मुझे लगा था कि सब खत्म हो गया। अब कुछ नहीं होगा। मैं अपना सामान पैक करके वापस घर चली जाऊंगी, मगर नहीं गए, टिके रहे और यहां पर टिके रहने का ही गेम है।

अक्षय ने 'वक्त' फिल्म से सीखा जीवन का सबसे बड़ा सबक

अभिनेता अक्षय कुमार इन दिनों रियलिटी क्विज शो 'व्हील ऑफ फॉर्च्यून' की मेजबानी करते नजर आ रहे हैं। अभिनेता ने अपने शो में सभी को समय की कीमत के बारे में अच्छे तरीके से समझाया। इस दौरान उन्होंने अमिताभ बच्चन की साथ में की फिल्म 'वक्त: द रेस अगेंस्ट टाइम' का जिक्र करते हुए कहा कि असल जिंदगी फिल्मों की तरह नहीं होती। दरअसल, इस फिल्म में ईश्वरचंद ठाकुर (अमिताभ बच्चन) एक जिम्मेदार पिता है जो अपने बिगड़े हुए बेटे आदित्य (अक्षय कुमार) को जीवन का सबक सिखाना चाहता है, लेकिन जब ईश्वरचंद को पता चलता है कि उसे कैंसर है, तो वह एक सख्त फैसला लेता है ताकि उसका बेटा जिम्मेदार बने। अक्षय ने बताया कि 'वक्त: द रेस अगेंस्ट टाइम' उनकी खास फिल्मों में से एक थी और इसकी एक लाइन ने उनकी जिंदगी बदल दी थी। अक्षय ने कहा, 'मैं आपको एक फिल्म बताता हूं, जो मेरी जिंदगी के लिए बहुत खास फिल्मों में से थी। उसका नाम था 'वक्त'। इस फिल्म में एक लाइन होती है, 'कोई बात नहीं बेटा है, सुधर जाएगा', लेकिन असलियत में ऐसा नहीं होता। हम अक्सर सोचते हैं कि कल सुधर जाएगा, बाद में कर लेंगे, लेकिन समय किसी का इंतजार नहीं करता।'
अक्षय ने आगे 'सूरज चमकते समय घास बनाने' की कहावत का भी जिक्र किया। उन्होंने जोर देते हुए कहा कि मौका मिलते ही काम कर लेना चाहिए, वरना बाद में पछतावा ही रह जाता है।
एक प्रतियोगी रोहित को संबोधित करते हुए अक्षय ने सीधे कहा, 'रोहित, मैं सच बता रहा हूं बेटा, वक्त किसी का इंतजार नहीं करता।'
अक्षय ने कहा, 'मैं बचपन से ही पढ़ाई में अच्छा नहीं था। इसलिए 14 साल की उम्र से ही काम करना शुरू कर दिया था, क्योंकि धीरे धीरे मुझे महसूस हुआ कि अपनी जिंदगी खुद संभालनी होगी।'
अक्षय ने अपने संदेश को एक मजबूत निष्कर्ष के साथ खत्म किया। उन्होंने कहा, 'मैं सबको यह कहना चाहता हूं कि कभी यह मत सोचिए कि सही वक्त आने पर कर लेंगे। अगर कुछ करना है तो आज ही शुरू कर दो। वरना वह काम कभी नहीं हो पाएगा। समय बहुत तेजी से गुजरता है और पीछे मुड़कर देखने पर सिर्फ अफसोस रह जाता है।'
साल 2005 में रिलीज हुई फिल्म 'वक्त: द रेस अगेंस्ट टाइम' विपुल अमृतलाल शाह द्वारा निर्देशित एक सफल भावनात्मक बॉलीवुड पारिवारिक ड्रामा है, जिसमें अमिताभ बच्चन, अक्षय कुमार, प्रियंका चोपड़ा और शेफाली शाह ने अभिनय किया है। फिल्म बॉक्स ऑफिस में काफी सफल रही थी।

'धुरंधर 2' से प्रभावित होकर राम गोपाल वर्मा ने 'सरकार' सीरीज टाली, बनाएंगे सिंडिकेट

फिल्म निर्माता-निर्देशक राम गोपाल वर्मा आदित्य धर की हालिया रिलीज फिल्म 'धुरंधर 2' से खासा प्रभावित हैं। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक बार फिर से फिल्म की तारीफ करते हुए उन्होंने अपने बचपन के सपनों के बारे में दिलचस्प बातें साझा कीं। साथ ही बताया कि अब 'सरकार' नहीं बल्कि 'सिंडिकेट' पर काम करना चाहते हैं। राम गोपाल वर्मा ने बताया कि 10 साल की उम्र में वह ऑटो रिक्शा ड्राइवर बनना चाहते थे, क्योंकि एक्सीलरेटर तेज होने पर निकलने वाली 'वूम-वूम' की आवाज उन्हें बहुत आकर्षित करती थी। एक लंबा नोट लिखते हुए राम गोपाल वर्मा ने कहा, ' बदलाव ही एकमात्र स्थिर चीज है जिसके साथ हम सब बड़े हुए। मेरे जीवन के शुरुआती सालों में सपने लगातार बदलते रहे। उन्होंने लिखा, 'जब मैं करीब 10 साल का था, तो ऑटो रिक्शा ड्राइवर बनना चाहता था। फिर 15 साल की उम्र में चचेरे भाई से प्रेरित होकर जंगल में रहना चाहा। कुछ साल बाद इंजीनियर बनने का सपना देखा, लेकिन फिर मन बदलकर डायरेक्टर बनने का फैसला किया।'
फिल्म मेकर ने अपनी पढ़ने की आदतों का भी जिक्र किया। उन्होंने कहा कि एनिड ब्लाइटन की किताबें उन्हें बहुत पसंद थीं, लेकिन जब जेम्स हैडली चेस के बारे में पता चला तो वे उन्हें सबसे शानदार लेखक लगे। बाद में फ्रेडरिक फोर्सिथ ने उन्हें और भी ज्यादा प्रभावित किया। उन्होंने लिखा कि नए अनुभव हमें बदलते हैं और हमारे बेंचमार्क को ऊंचा उठाते हैं, ऐसा होना भी चाहिए।अपनी फिल्मों के बारे में बात करते हुए उन्होंने बताया कि उनकी बेंचमार्क फिल्में 'द साउंड ऑफ म्यूजिक' (जिससे 'रंगीला' प्रेरित हुई), 'एक्सॉर्सिस्ट' (जिससे 'रात' और 'भूत') व 'गॉडफादर' (जिससे 'सत्या', 'कंपनी' और 'सरकार' सीरीज) रही हैं। उन्होंने मुख्य रूप से 'गॉडफादर' से प्रेरणा लेकर फिल्में बनाईं।
उन्होंने 'धुरंधर: द रिवेंज' की खूब तारीफ की। साथ ही कहा कि इस फिल्म ने उन्हें इतना प्रभावित किया कि उन्होंने 'सरकार' फ्रैंचाइजी की अगली कड़ी को टाल दिया है और अब 'सिंडिकेट' पर काम करने का फैसला किया है। राम गोपाल वर्मा ने लिखा, 'जानिए सिंडिकेट क्यों, सरकार क्यों नहीं? सिंडिकेट की कहानी इस सोच पर आधारित है कि क्या होगा अगर भारत का पूरी कानून-व्यवस्था एक दिन में ही ढह जाए? यह हॉरर फिल्म जैसी होगी, लेकिन कोई सुपरनैचुरल तत्व नहीं, बल्कि इंसानी दिमागों में छिपी भयानक चीजों को दिखाएगी। यह एक ऐसे संगठन की कहानी है जो इतना शक्तिशाली और संगठित हो जाता है कि देश के अस्तित्व के लिए खतरा बन जाता है।'
राम गोपाल ने आगे बताया कि 'धुरंधर 2' देखने के बाद उनकी पुरानी फिल्में उन्हें कुछ भी नहीं लगतीं। अगर पहले 'गॉडफादर' उनका पैमाना था, तो अब 'धुरंधर 2' को वह 'गॉडफादर का भी गॉडफादर' मानते हैं। फिल्म के हर पहलू कहानी कहने का अंदाज, किरदार, बैकग्राउंड म्यूजिक, एक्शन और अदाकारी ने उन्हें पूरी तरह प्रभावित किया।

प्रकाशक, मुद्रक एवं स्वामी : श्री शिवम ग्रोवर, मुद्रक : इंप्रेशन प्रिंटिंग प्रेस एंड पैकेजिंग लिमिटेड, भूतल प्लांट नं.-22, प्रथम तल, औद्योगिक क्षेत्र, फेज-2, पंचकूला में मुद्रित। प्रकाशन स्थल : पंचकूला ऑब्जर्वर, प्लॉट नं.-365, औद्योगिक क्षेत्र, फेज-1, पंचकूला। मुख्य संपादक : श्री अरुण ग्रोवर, समाचार चयन एवं प्रकाशन की समस्त जिम्मेदारी प्रेस एवं रजिस्ट्रेशन ऑफ पीरियोडिकल्स (PRP) एक्ट के अंतर्गत पंचकूला न्यायालय क्षेत्राधिकार में निहित होगी। RNI पंजीकरण संख्या : HRB/L/25/A3417 संपर्क मोबाइल : 98888-86909, ई-मेल : panchkulaobservernews@gmail.com